twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

In Just 500 ₹
Get
Video AD +2 Days Free Marketing
Advertise On Leading News Channel
9891255609
9354173558
9891221238

DD दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | बुधवार, 18 जून, 2025 | वर्ष: 12 अंक: 214, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

ईरान में फंसे भारतीय छात्रों की वापसी शुरू

इजरायल लगातार ईरान को उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर निशाना बना रहा

नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय का कहना है कि सुरक्षा कारणों से ईरान की राजधानी तेहरान से भारतीय छात्रों को शहर से बाहर ले जाया जा रहा है और अन्य भारतीयों को भी शहर से बाहर जाने की सलाह दी गई है। इजरायल लगातार ईरान को उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर निशाना बना रहा है। इसके जवाब में ईरान भी इजरायल पर मिसाइल हमले कर रहा है। विदेश मंत्रालय और ईरान का भारतीय दूतावास लगातार स्थिति पर अपडेट जारी कर रहा है। इस संबंध में विदेश मंत्रालय ने कहा है कि परिवहन के मामले में आत्मनिर्भर अन्य निवासियों को भी विकसित हो रही स्थिति को देखते हुए शहर से बाहर जाने की सलाह दी गई है। इसके अलावा, कुछ भारतीयों को आर्मेनिया की सीमा के माध्यम से ईरान छोड़ने में मदद की गई है। दूतावास सभी संभव सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से समुदाय के साथ लगातार संपर्क में है। मंत्रालय का कहना है कि स्थिति अभी भी अस्थिर और नाजुक है, इसे देखते हुए आगे भी परामर्श जारी किए जा सकते हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इजराइल और ईरान में तेजी से बिगड़ती स्थिति को देखते हुए भारत सरकार भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए व्यापक कदम उठा रही है। इजरायल की राजधानी तेल अवीव स्थित भारतीय दूतावास वहां मौजूद कामगार, छात्र, पर्यटक, व्यवसायी और देखभाल कर्मियों के संपर्क में है और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय कर रहा है। भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने, अनावश्यक आवाजाही से बचने और स्थानीय सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की सख्त सलाह दी गई है। इसके अतिरिक्त, विदेश मंत्रालय ने दिल्ली में 24ग7 नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है, जिससे सहायता प्राप्त की जा सकती है। इसके संपर्क विवरण इस प्रकार हैं: फोन -1800118797 (टोल फ्री), +91-11-23012113, +91-11-23014104, +91-11-23017905

व्हाट्सएप --+91-9968291988

तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने भी आपातकालीन हेल्पलाइन शुरू की है। ईरान में कॉल के लिए नंबर हैं: +98 9128109115, +98 9128109109। व्हाट्सएप पर सहायता के लिए: +98 901044557, +98 9015993320, +91 8086871709। बंदर अब्बास: +98 9177699036, जाहेदान: +98 93963566491।

सीधे ईरान से भारतीय एयरलाइंस को भेजना काफी जोखिम भरा

ईरान के कई इलाकों में इजराइली हमले हो चुके हैं। ऐसे में फ्लाइट्स पर भी हमले का खतरा बना रहता है। भारतीय एयरलाइंस को भेजना काफी जोखिम भरा है। इसके लिए ईरान की इजाजत के साथ-साथ मजबूत सुरक्षा इंतजाम भी चाहिए होंगे, जो युद्ध की स्थिति में संभव नहीं हैं। नॉरदुज बॉर्डर सुरक्षित माना जा रहा है। आर्मेनिया में हालात स्थिर हैं और वहां से फ्लाइट्स भी आसानी से उड़ाई जा सकती हैं। ईरान में पढ़ने वाली एक कश्मीरी छात्रा ने वीडियो बनाकर जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मदद मांगी थी।

ईरान से भारतीय छात्रों को सीधे क्यों नहीं लाया जा रहा?

इस वक्त ईरान और इजराइल के बीच हालात काफी तनावपूर्ण हैं। कई शहरों में हमले हो चुके हैं और सुरक्षा का खतरा बना हुआ है। ऐसे में भारतीय छात्रों को सीधे ईरान से एयरलिफ्ट करना फिलहाल संभव नहीं है। ईरान के ज्यादातर इंटरनेशनल एयरपोर्ट इस समय नागरिक उड़ानों के लिए बंद हैं। युद्ध जैसे हालात की वजह से वहां से फ्लाइट उड़ाना सुरक्षित नहीं है।

ईरान के कई इलाकों में इजराइली हमले हो चुके हैं। ऐसे में फ्लाइट्स पर भी हमले का खतरा बना रहता है।

सीधे ईरान से भारतीय एयरलाइंस को भेजना काफी जोखिम भरा है। इसके लिए ईरान की इजाजत के साथ-साथ मजबूत सुरक्षा इंतजाम भी चाहिए होंगे, जो युद्ध की स्थिति में संभव नहीं हैं। नॉरदुज बॉर्डर सुरक्षित माना जा रहा है। आर्मेनिया में हालात स्थिर हैं और वहां से फ्लाइट्स भी आसानी से उड़ाई जा सकती हैं।

ईरान से कैसे लौटेंगे छात्र?

ईरान के अलग-अलग शहरों से भारतीय छात्र आर्मेनिया से लगे नॉरदुज बॉर्डर पहुंचेंगे। यहां से इन्हें बस से आर्मेनिया के येरेवन एयरपोर्ट ले जाया जा सकता है। इसके बाद इन छात्रों को हवाई रूट से भारत लाया जाएगा।

सवाल: भारत ने आर्मेनिया को ही क्यूं चुना?

जवाब: ईरान का बॉर्डर 7 देशों से लगता है। ये देश पाकिस्तान, अफगानिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, अजरबैजान, आर्मेनिया, तुर्किये और इराक हैं। इसके अलावा समुद्री सीमा ओमान के साथ है। आर्मेनिया को ही चुनने की कुछ प्रमुख वजहें हैं...

आर्मेनिया का बॉर्डर ईरान के प्रमुख शहरों से कम दूरी पर है। आर्मेनिया के साथ भारत के संबंध काफी अच्छे हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा समझौते भी हुए हैं। आर्मेनिया राजनीतिक रूप से स्थिर है और भारत से उसके दोस्ताना संबंध हैं। वहां से फ्लाइट ऑपरेशन तेजी से संभव है, क्योंकि येरेवन एयरपोर्ट पूरी तरह चालू है। ईरान और आर्मेनिया के बीच फिलहाल कोई सीमा विवाद या सैन्य तनाव नहीं है। दूसरी तरफ ईरान का पूर्वी पड़ोसी पाकिस्तान है। पाकिस्तान के साथ भारत के रिश्ते ऑपरेशन सिंदूर के बाद और उसके पहले से ही तनावपूर्ण हैं।

ऐसे में भारत के पास पाकिस्तान के रास्ते छात्रों को लाने का विकल्प नहीं है। इराक पहले से ही ईरान के साथ चल रहे तनाव में शामिल है। कई बार इजराइल ने इराक में भी ईरानी ठिकानों को निशाना बनाया है। इसलिए वहां से गुजरना खतरे से भरा हो सकता था।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को जेब करनी होगी ढीली

नई दिल्ली

राजधानी के सबसे प्रमुख और सबसे व्यस्त रेलवे स्टेशन में शामिल नई दिल्ली स्टेशन की पार्किंग की व्यवस्था में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अब नए नियमों के तहत अपने वाहन या कैब से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर जाने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी। ये वाहन स्टेशन के मुख्य परिसर तक जा सकेंगे। यात्रियों को लेकर आने वाले कोई भी वाहन यदि आठ मिनट में स्टेशन परिसर से बाहर निकल जाएंगे तो उन्हें कोई शुल्क नहीं देना होगा। यात्री को लेने के लिए आई गाड़ियों को सामान्य या वीआईपी पार्किंग में ही खड़ा करना पड़ेगा। इसके लिए यात्री को शुल्क चुकाना पड़ेगा।

उत्तर रेलवे से मिली जानकारी के मुताबिक, रेलवे की इस नई व्यवस्था से स्टेशन आने वाले यात्रियों को अधिक भीड़ का सामना नहीं करना पड़ेगा। स्टेशन पर अजमेरी गेट की तरफ नई पार्किंग व्यवस्था को लेकर टेंडर जारी कर दिया गया है। यहां पर जल्द ही एक बार फिर बैरिकेडिंग वाली पार्किंग व्यवस्था शुरू होगी। इस बार की पार्किंग व्यवस्था में दो बड़े बदलाव किए गए हैं। दोनों ही बदलाव यहां आने वाले यात्रियों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं। नए बदलाव के तहत रेलवे स्टेशन के मुख्य परिसर में ऐसे वाहनों को एंट्री दी जाएगी जो केवल यात्रियों को छोड़ने के लिए स्टेशन में आए है। ऐसे वाहनों को प्रवेश करने के लिए 8 मिनट का समय मिलेगा। इस दौरान वे अपने यात्रियों को स्टेशन छोड़कर बाहर निकल जाएंगे। लेकिन 8 मिनट से ज्यादा रुकने पर वाहन चालक को 50 रुपये और 15 मिनट से अधिक समय तक रुकने पर 200 रुपये पार्किंग शुल्क चुकाना होगा। वहीं अगर वाहन यात्री को लेने के लिए लिए आया है तो उसे बैरिकेड के पास से ही पार्किंग में भेजा जाएगा। वह यात्री के आने पर पार्किंग से ही वाहन लेकर निकल सकेंगे। अभी कैब चालक से स्टेशन परिसर में आने पर 30 रुपये पार्किंग शुल्क लिया जा रहा था, लेकिन नई व्यवस्था में वह 8 मिनट के भीतर स्टेशन परिसर की लेन में यात्री को उतार कर बाहर जा सकते हैं। आमतौर पर कैब चालक अपने 30 रुपए बचाने के लिए यात्रियों को बाहर सड़क पर उतार देते थे। इससे यात्रियों को परेशान होना पड़ता था। उन्हें अपना सामान लेकर पैदल स्टेशन परिसर तक आना पड़ता है।

अमित शाह का राज्यों से आपदा प्रबंधन योजनाएं बनाने का आह्वान

नई दिल्ली

सभी राज्यों के राहत आयुक्तों से 90 दिन में अपने राज्य के हर जिले की आपदा प्रबंधन योजना बनाने का आह्वान करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हीट वेव से निपटने के लिए एक एक्शन प्लान बने, जिसका टाइमटेबल हीट के अनुभव के आधार पर बनाया जाए। पर्यावरण संरक्षण के बिना शत-प्रतिशत आपदा से बचना असंभव है। अगर हम पर्यावरण की चिंता नहीं करेंगे तो आपदाओं को रोक नहीं पाएंगे। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ और एनडीएमए द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के कारण भारत आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में

ग्लोबल लीडर बन गया है।

'हमारी अप्रोच में आया परिवर्तन'

अमित शाह ने कहा कि आपदा प्रबंधन को लेकर हमारी अप्रोच में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। पहले राहत-केंद्रित अप्रोच होती थी, लेकिन आज हमने जीरो कैजुअल्टी को सफलता के साथ प्राप्त कर लिया है। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राहत आयुक्तों और आपदा प्रतिक्रिया बलों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि आने वाले समय की आपदाओं की संभावनाओं को भांपकर एडवांस में ही उसके लिए रिसर्च करना, दुनियाभर में इस क्षेत्र में मौजूद अलग-अलग विचारों को संकलित करना और अपने देश की भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए देश के अनुकूल बनाकर इसे लागू करना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने आपदा के प्रति प्रयासों को रिएक्टिव की जगह प्रोएक्टिव बनाया है।

जी-7 सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए कनाडा पहुंचे पीएम

कैलगरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 51वें जी-7 सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए कनाडा पहुंच चुके हैं। अल्बर्टा के कनाकास्किस में जी-7 सम्मेलन का आयोजन किया गया है। कनाडा के कैलगरी पहुंचे पीएम मोदी जल्द ही कनाकास्किस का रूख करेंगे।

कनाडाई पीएम ने भेजा था बुलावा

प्रधानमंत्री मोदी कनाडाई पीएम मार्क कार्नी के बुलावे पर जी-7 सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। 16-17 जून के इस सम्मेलन में फ्रांस, अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, जापान और इटली के प्रमुख हिस्सा लेते हैं। यह लगातार छठी बार है जब पीएम मोदी जी-7 समिट का

हिस्सा बनने जा रहे हैं।

ट्रंप से नहीं होगी पीएम मोदी की मुलाकात

बता दें कि जी-7 सम्मलेन का पहला दिन शानदार रहा। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बीच में ही वापस चले गए। ऐसे में पीएम मोदी और ट्रंप की मुलाकात अब नहीं हो सकेगी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने ट्रंप की वापसी की जानकारी देते हुए कहा- राष्ट्रपति ट्रंप ने जी-7 सम्मेलन में यूके के पीएम कीर स्टार्मर से मुलाकात कर प्रमुख व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किया। हालांकि , मिडिल-ईस्ट की स्थिति के कारण राष्ट्रपति ट्रंप राष्ट्रध्यक्षों के साथ डिनर नहीं कर पाए।

क्यों खास है पीएम मोदी का कनाडा दौरा?

बता दें कि भारत और कनाडा के तनाव के बीच तनाव के बाद यह पीएम मोदी पहली बार कनाडा गए है। 2023 में कनाडा के गुरुद्वारे के बाहर खालिस्तनी आतंकवादी हरदीप सिंह पुरी की हत्या हो गई थी, जिसमें भारतीय एजेंट के शामिल होने का दावा किया गया था। इसके बाद से ही नई दिल्ली और ओटावा के रिश्तों में खटास देखने को मिली। तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भी भारत के साथ रिश्ते खराब करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी।

भारत के पास हथियारों का जखीरा, बना बड़ा आयातक

नई दिल्ली

बुद्ध का देश भारत हमेशा शांति में यकीन रखता है, लेकिन अपनी सामरिक सुरक्षा के लिए वह 'भय बिनु होय न प्रीत' का भी पालन करता है। अपनी सीमाओं को सुरक्षित रखने के लिए रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया अभियान के तहत आत्मनिर्भरता के साथ जरूरी रक्षा हथियारों की वह बेहिचक खरीद भी कर रहा है। यही वजह है कि पिछले कई साल से रक्षा आयात के मामले में वह शीर्ष देशों में शुमार है। हालिया रिपोर्ट बताती है कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक देश है। भारत के इन्हीं प्रयासों का रौद्र रूप आपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने देखा। इंटरनेशनल सिक्यूरिटी थिंक टैंक 'स्टाकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट' की रिपोर्ट के अनुसार 2020-24 में यूक्रेन ने सबसे अधिक हथियारों का आयात किया। यूक्रेन ने 2015-19 की तुलना में लगभग 100 गुना अधिक हथियारों का आयात किया। इनमें से अधिकतर हथियार सहायता के रूप में दिए गए हैं। यूक्रेन 2022 से रूस के खिलाफ युद्ध लड़ रहा है। पश्चिमी देश उसे पूरी मदद दे रहे हैं। लगभग 35 देशों ने उसे सहायता के रूप में हथियार दिए हैं। कुल हथियार आयात में यूक्रेन की हिस्सेदारी 8.8 प्रतिशत रही। कुल हथियार आयात में भारत की हिस्सेदारी 8.3 प्रतिशत रही। 162 देशों में से केवल पांच देशों की कुल हथियार आयात में 35 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

मनी लॉन्ड्रिंग: ईडी के सामने पेश नहीं हुए रॉबर्ट वाड्रा

नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से समन भेजे जाने के बाद भी कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा आज उनके सामने पेश नहीं होंगे। उनके करीबी सूत्रों के मुताबिक, वे विदेश यात्रा पर हैं और वापस आने के बाद जांच में शामिल होंगे। इससे पहले ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए वाड्रा को अपने दफ्तर बुलाया था। मामला ब्रिटेन के रहने वाले हथियार डीलर संजय भंडारी से जुड़ा है। मामले की जांच प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट

(पीएमएलए) के तहत की जा रही है। इससे पहले रॉबर्ट वाड्रा को 10 जून को पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन उन्होंने तब यह कहते हुए पेशी से इनकार कर दिया था कि उन्हें 9 जून को फ्लू जैसे लक्षण थे और उन्होंने कोविड टेस्ट कराया है। उनके वकील ने उस समय कहा था कि वाड्रा समन से बचने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। वे देश से बाहर जाने से पहले या बाद में कभी भी ईडी के सामने पेश होने के लिए तैयार हैं।

अप्रैल में भी हुई थी पूछताछ

वाड्रा से ईडी ने अप्रैल में तीन दिन लगातार पूछताछ की थी। ये पूछताछ हरियाणा में 2008 की एक जमीन डील में कथित गड़बड़ियों से जुड़े एक अन्य मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की गई थी। रॉबर्ट वाड्रा ईडी की जांच के तहत कुल तीन मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में फंसे हुए हैं। संजय भंडारी एक हथियार डीलर हैं जो 2016 में दिल्ली में इनकम टैक्स विभाग की छापेमारी के बाद लंदन भाग गए थे।

हाल ही में एक ब्रिटिश अदालत ने भारत सरकार की उस अर्जी को खारिज कर दिया। जिसमें भंडारी के प्रत्यर्पण से जुड़े मामले को ब्रिटेन की सुप्रीम कोर्ट में ले जाने की अनुमति मांगी गई थी। इसके बाद भंडारी को भारत लाने की संभावना लगभग खत्म हो गई है।

एक दिन में एअर इंडिया की 3 फ्लाइट्स कैंसिल

इनमें अहमदाबाद-लंदन फ्लाइट शामिल

कोलकाता

एअर इंडिया की 3 इंटरनेशनल फ्लाइट मंगलवार को रद्द कर दी गईं। इनमें अहमदाबाद-लंदन के अलावा, दिल्ली-पेरिस, लंदन-अमृतसर फ्लाइट शामिल हैं। इसके अलावा सैन फ्रैंसिस्को से मुंबई आ रही फ्लाइट के पैसेंजर्स को कोलकाता एयरपोर्ट पर उतारा गया।

अहमदाबाद में 12 जून को अक-171 फ्लाइट क्रैश हुई थी। इसकी जगह अहमदाबाद से लंदन के लिए नई फ्लाइट अक-159 शुरू की गई है। यह फ्लाइट मंगलवार को लगातार दूसरी बार रद्द की गई। फ्लाइट को दोपहर 1.10 बजे उड़ान भरना था, लेकिन टेकऑफ से कुछ घंटे पहले तकनीकी खामी की बात कही गई। 16 जून को भी यह फ्लाइट रद्द की गई थी।

गुरुग्राम में गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल का हुआ लोकार्पण

चंडीगढ़

हरियाणा ने लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को भारत सरकार में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ गुरुग्राम के मानेसर स्थित मारुति प्लांट में देश के सबसे बड़े गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल का संयुक्त रूप से लोकार्पण किया। आईएमटी मानेसर स्थित मारुति सुजुकी प्लांट में स्थापित यह टर्मिनल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरंभ किए गए गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अंतर्गत तैयार किया गया है जोकि भारत में विश्व स्तरीय लॉजिस्टिक्स नेटवर्क विकसित करने की दिशा में एक बड़ी योजना है। इस पूरी परियोजना पर

1 लाख 17 हजार 91 मिलियन रुपए की लागत आई है। इसमें हरियाणा रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड की 55.4 प्रतिशत, एचएसआइआइडीसी की 19 प्रतिशत और गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण की 5 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

देश के 380 शहरों और दो बंदरगाहों से हुई कनेक्टविटी: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने देश के दूसरे और हरियाणा के पहले गति शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल के लोकार्पण समारोह में पहुंचने पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का स्वागत किया। उन्होंने लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि गुरुग्राम में देश के सबसे बड़े गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल की शुरूआत हरियाणा की विकास गाथा में एक नए स्वर्णिम अध्याय का शुभारंभ है। यह सिर्फ लोह-इस्पात का ढांचा नहीं।

अहमदाबाद विमान हादसे की जांच में शामिल हुए ग्लोबल एविएशन एक्सपर्ट्स

एजेंसी

अहमदाबाद । भारत के एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की अहमदाबाद विमान हादसे की जांच करने में मदद के लिए उच्च स्तरीय इंटरनेशनल एविएशन इन्वेस्टिगेटर्स और बोइंग के प्रतिनिधि अहमदाबाद पहुंच गए हैं। अहमदाबाद विमान हादसे में क्रू समेत 241 लोगों की मृत्यु हो गई थी। कई सूत्रों के हवाले से बताया गया कि जांच प्रतिनिधिमंडल में यूएस नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी), फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) और ब्रिटेन की सिविल एविएशन अथॉरिटी (सीएए) के अधिकारी शामिल हैं। इन्वेस्टिगेटर्स की जांच में भागीदारी ग्लोबल सिविल एविएशन नियमों, विशेष रूप से इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गेनाइजेशन (आईसीएओ) के अनुसार है, जो विमान के निर्माता देश और हादसे से पीड़ित देशों के बीच सहयोग को

एयर इंडिया की अहमदाबाद से लंदन जा रही एआई 171 उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी।

अनिवार्य बनाता है।

हादसे के शिकार मृतकों में 53 ब्रिटिश नागरिक, सात पुर्तगाली, एक कनाडाई और 12 चालक दल के सदस्यों सहित 181 भारतीय नागरिक शामिल थे।

एयर इंडिया की अहमदाबाद से लंदन जा रही एआई 171 उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। हादसे के एक दिन बाद विमान का फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (एफडीआर) यानी ब्लैकबॉक्स बरामद कर लिया गया था। इसमें विमान से जुड़ी सभी अहम जानकारियां होती हैं। इसके साथ ही कोकपिट वॉइस रिकॉर्डर भी बरामद कर लिया गया है।

जांच में अमेरिकी इंजन आपूर्तिकर्ता जीई एयरोस्पेस के विशेषज्ञ भी शामिल होंगे, जिसने भारत में जांच को प्राथमिकता देने के लिए अन्य कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं।

रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव पी.के. मिश्रा ने दुर्घटनास्थल और सिविल अस्पताल का दौरा किया, जहां पीड़ितों के शवों की पहचान की जा रही है। बाद में उन्होंने केंद्रीय और राज्य अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें राहत कार्यों की समीक्षा की गई और शोक संतप्त परिवारों की सहायता के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

पीएमओ के अधिकारी तरुण कपूर और मंगेश घिल्डियाल भी उनके साथ थे।

महाराष्ट्र में हादसों पर राजनीति, संजय राउत ने राज्य सरकार को बताया 'पनौती'

एजेंसी

मुंबई । पुणे में इंद्रायणी नदी पर बना पुल टूटने और मालवण में शिवाजी महाराज के स्टैच्यू का चबूतरा धंसने के बाद महाराष्ट्र में राजनीति गरमाने लगी है। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय राउत ने सोमवार को महाराष्ट्र और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने हालिया घटनाओं और हादसों को लेकर सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए उसे पनौती करार दिया। शिवसेना-यूबीटी के नेता संजय राउत ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा, +जब से देवेंद्र फडणवीस दोबारा मुख्यमंत्री बने हैं, तब से राज्य को पनौती लगी है। अहमदाबाद में जो हादसा हुआ, उसमें महाराष्ट्र के 15-16 लोग मर गए। रविवार को आपने देखा होगा कि मालवण में शिवाजी महाराज का जो स्टैच्यू है, वहां चबूतरा धंस गया है। पुणे जिले में जो एक ब्रिज है, वो टूट गया। 100 से ज्यादा लोग पानी में बह गए। उनमें से अभी तक 40 लोग लापता हैं। राउत ने इंद्रायणी नदी पर बने पुल के ढहने की घटना को गंभीरता से उठाया। उन्होंने कहा, पुल बनाने के लिए सरकार ने पहले ही 8 करोड़ रुपये की मंजूरी दी थी, लेकिन सरकार के खजाने में पैसा नहीं है। इस तरह से एकाएक हादसों में लोग मारे जा रहे हैं। पुणे में पुल हादसे के बाद मुआवजे की घोषणा पर संजय राउत ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने पूछा, आप 5-5 लाख रुपये देंगे। आप 5-5 लाख रुपये में गरीबों की जान का सौदा कर रहे हैं? राउत ने ये भी कहा कि जो विमान हादसे में मरते हैं, उन लोगों को एक-एक करोड़ रुपये दे रहे हैं। यहां नदी पर बना पुल टूटने से जो लोग मरे हैं, उन्हें 5 लाख रुपये दे रहे हैं। अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में संजय राउत ने कहा कि पहले जिम्मेदारी तय करिए कि जो पुल गिरा है, इसका जिम्मेदार कौन है?

एयर इंडिया ड्रीमलाइनर में फिर आयी तकनीकी खराबी, हांगकांग वापस लौटा

नई दिल्ली। अहमदाबाद लंदन एयर इंडिया विमान हादसे के चार दिन बाद हांगकांग से दिल्ली आ रहे एयर इंडिया के एक और बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान में उड़ान भरने के चंद मिनट बाद तकनीकी समस्या का पता लगने पर उसे वापस हांगकांग लौटना पड़ा। सूत्रों के अनुसार हांगकांग से दिल्ली आने वाली एयर इंडिया की उड़ान एआई315 बीती रात 11 बज कर 59 मिनट पर हांगकांग से रवाना हुई थी। रिकार्ड के अनुसार यह उड़ान तीन घंटे नौ मिनट के विलंब से रवाना हुई थी। उड़ान भरने के बाद पायलट को हवा में ही तकनीकी समस्या का संदेह हुआ। इस पर पायलट ने विमान को समुद्र के ऊपर कुछ देर उड़ाया और जब दिक्कत दूर नहीं हुई तो वापस लौटने का फैसला किया। इसके बाद विमान करीब एक घंटे 19 मिनट बाद अपने मूल स्थान यानी हांगकांग हवाई अड्डे पर वापस लौट आया। विमान स्थानीय समयानुसार एक बज कर 18 मिनट पर हांगकांग हवाई अड्डे पर उतरा। जहां उसकी गहन तकनीकी जांच की जाएगी। गौरतलब है कि 12 जून को एयर इंडिया का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर अहमदाबाद से लंदन जा रहा था, जब हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया और गुजरात के अहमदाबाद में बीजे मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों के छात्रावास से जा टकराया। विमान में 230 यात्री और 12 चालक दल के सदस्य सहित 242 लोग सवार थे। दुर्घटना में 241 यात्रियों की मौत हो गई। एकमात्र जीवित बचे व्यक्ति की पहचान भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक विश्वाश कुमार रमेश के रूप में हुई है, जो घायल हो गया है और उसका इलाज चल रहा है।

नर्सिंग अधिकारी भर्ती सामान्य पात्रता परीक्षा के परिणाम घोषित

नयी दिल्ली। देशभर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों और केंद्रीय सशस्त्र बल आयुर्विज्ञान संस्थान में नर्सिंग अधिकारी की भर्ती परीक्षा 'नर्सिंग अधिकारी भर्ती सामान्य पात्रता परीक्षा 2025' के परिणाम घोषित कर दिये गये हैं। दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने सोमवार को यहां बताया कि प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत स्थापित नये एम्स और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन अन्य केंद्रीय सरकारी अस्पतालों - (सीएपीएफआईएमएस) के लिए नर्सिंग अधिकारी भर्ती सामान्य पात्रता परीक्षा 2025 आयोजित की गयी थी। परीक्षा का आयोजन दिल्ली एम्स ने किया था। संबंधित विज्ञापन में लगभग 2000 रिक्तियां घोषित की गयीं थी। इनमें एम्स की 600 और केंद्रीय सशस्त्र बल आयुर्विज्ञान संस्थान की 300 रिक्तियों के अलावा अन्य नर्सिंग अधिकारियों की रिक्तियां भी थीं। एम्स के अनुसार परीक्षा के परिणाम मई 2025 में घोषित किये गये, जिसमें 1939 उम्मीदवारों में से 595 नर्सिंग अधिकारी एम्स, नयी दिल्ली के लिए और 288 नर्सिंग अधिकारी एम्स-सीएपीएफआईएमएस के लिए चुने गये हैं। अस्पतालों में नियमित नर्सिंग आवश्यकता को समझते हुए यह परीक्षा पहले वर्ष में एक बार आयोजित की जाती थी, लेकिन फिलहाल यह दो बार आयोजित की जा रही है। इससे समय पर भर्ती और निर्बाध रोगी देखभाल सेवाओं को सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। यह नीतिगत बदलाव एम्स और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की रणनीतिक योजना के अनुरूप है।

प्रधानमंत्री मोदी को साइप्रस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

एजेंसी

नई दिल्ली। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडुलाइड्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आज देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस III' प्रदान किया। यह सम्मान उन्हें दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक मैत्री और सहयोग के प्रतीक के रूप में दिया गया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक्स पर फोटो साझा करते हुए इसे भारत-साइप्रस मैत्री और साझी वैश्विक दृष्टि का सम्मान बताया। यह सम्मान दोनों देशों के बीच स्थायी और विश्वसनीय संबंधों का प्रमाण है। सम्मान स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इसे 140 करोड़ भारतीयों को समर्पित किया। उन्होंने साइप्रस के राष्ट्रपति, सरकार और जनता के प्रति आभार जताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सम्मान भारत की प्राचीन सोच 'वसुधैव कुटुंबकम्' को मिली वैश्विक मान्यता है, जो शांति और समृद्धि की

दिशा में हमारे प्रयासों को प्रेरित करती है। प्रधानमंत्री ने इसे भारत-साइप्रस संबंधों को और मजबूत व बहुआयामी बनाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार दोनों देशों की शांति, संप्रभुता और विकास के प्रति साझा निष्ठा को दर्शाता है।

सोनिया गांधी की हालत स्थिर, डॉक्टरों की टीम रख रही स्वास्थ्य पर कड़ी नजर, अस्पताल ने दी अपडेट

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की हालत अब स्थिर हैं। उन्हें रविवार देर रात पेट की समस्या के कारण दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती किया गया था। अस्पताल के बयान के अनुसार, 78 वर्षीय पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष को वर्तमान में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में निगरानी में रखा गया है। अस्पताल ने कहा कि 78 वर्षीय पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष वर्तमान में अस्पताल के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में निगरानी में हैं। सर गंगा राम अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप के अनुसार, सोनिया गांधी को रविवार रात 9 बजे सर गंगा राम अस्पताल में पेट से संबंधित समस्या के लिए सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में भर्ती कराया गया। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है और डॉक्टर उनके स्वास्थ्य पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। सोनिया गांधी को इस महीने दूसरी बार अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले, 7 जून को शिमला के इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) अस्पताल में उनका एमआरआई किया गया था। उस दौरान राज्यसभा सांसद ने बेचैनी की

शिकायत की थी और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया था। आईजीएमसी के एक डॉक्टर के अनुसार, सोनिया गांधी का ब्लड प्रेशर थोड़ा अधिक था, लेकिन उनकी हालत सामान्य और स्थिर थी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के प्रधान सलाहकार (मीडिया) नरेश चौहान ने कहा कि सोनिया गांधी को मामूली स्वास्थ्य समस्याओं के कारण नियमित जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया था। पार्टी के एक नेता ने कहा कि सोनिया गांधी की स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी मिलने के बाद मुख्यमंत्री सुक्खू ने अपनी ऊना यात्रा को छोटा कर दिया और शिमला चले गए। इसके अलावा, कुछ महीने पहले सोनिया गांधी को पेट से संबंधित समस्या के कारण दिल्ली में अस्पताल में भर्ती किया गया था। फरवरी में सर गंगा राम अस्पताल में उन्हें एक दिन के लिए गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विशेषज्ञ की देखरेख में भर्ती किया गया था। सितंबर 2022 में सोनिया गांधी मेडिकल जांच के लिए अमेरिका गई थीं। उस यात्रा के दौरान उनके बेटे और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी उनके साथ थे।

दो चरणों में पूरी होगी जनगणना, केंद्र सरकार ने जारी की अधिसूचना

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने सोमवार को जनगणना के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। राजपत्र में बताया गया है कि जनगणना की प्रक्रिया दो चरणों में पूरी की जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जनगणना के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी करते हुए बताया कि पहला चरण 1 अक्टूबर, 2026 से शुरू होगा, जिसमें जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड शामिल होंगे, जबकि दूसरा चरण 1 मार्च, 2027 से शुरू होगा। अधिसूचना में कहा गया, केंद्रीय सरकार, जनगणना अधिनियम, 1948 (1948 का 37) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत के राजपत्र असाधारण, भाग 2, खंड 3 उपखंड (द्वद्व) तारीख 28 मार्च, 2019 में प्रकाशित भारत सरकार के गृह मंत्रालय (भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय) की अधिसूचना संख्यांक

का. आ. 1455(अ) तारीख 26 मार्च, 2019 के अधिक्रमण में, उन बातों के सिवाय, जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, यह घोषणा करती है कि भारत की जनसंख्या की जनगणना वर्ष 2027 के दौरान की जाएगी। इसमें आगे कहा गया है, उक्त जनगणना के लिए संदर्भ तारीख, संघ राज्यक्षेत्र लद्दाख के और संघ राज्यक्षेत्र जम्मू-कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड राज्यों के हिमाच्छादित असमकालिक क्षेत्रों के सिवाय, मार्च, 2027 के पहले दिन के 00:00 बजे होगी। संघ राज्यक्षेत्र लद्दाख के लिए और संघ राज्यक्षेत्र जम्मू-कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड राज्यों के हिमाच्छादित असमकालिक क्षेत्रों के लिए संदर्भ तारीख अक्तूबर, 2026 के पहले दिन के 00:00 बजे होगी।यह पहली बार है, जब जाति गणना को जनगणना में शामिल किया जा रहा है। हाल ही में हुई कैबिनेट बैठक में केंद्र ने जाति आधारित गणना को मंजूरी दी थी, ताकि सरकार बेहतर नीतियां बना सके और इन्हें लक्ष्य-आधारित कर सके। हालांकि, जाति आधारित गणना की मंजूरी ने राजनीतिक विवाद भी पैदा किया। कांग्रेस ने दावा किया कि मोदी सरकार को सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण के उनके विचार को शामिल करने के लिए मजबूर होना पड़ा। वहीं, भाजपा ने विपक्ष का मजाक उड़ाया और कहा कि विपक्ष पिछड़े वर्गों का चैंपियन होने का दावा करता है, लेकिन असल में एनडीए सरकार ही जमीनी स्तर पर बदलाव ला रही है।

मोदी ने निकोस के साथ गोलमेज वार्ता की

एजेंसी

निकोसिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलिड्स के साथ आज साइप्रस और भारत के व्यापारिक नेताओं के साथ लिमासोल में गोलमेज वार्ता की। प्रतिभागियों ने बैंकिंग, वित्तीय संस्थानों, विनिर्माण, रक्षा, रसद, समुद्री, शिपिंग, प्रौद्योगिकी, नवाचार, डिजिटल प्रौद्योगिकियों, एआई, आईटी सेवाओं, पर्यटन और गतिशीलता जैसे विविध क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व किया। प्रधानमंत्री ने पिछले 11 वर्षों में भारत के तेजी से आर्थिक परिवर्तन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अगली पीढ़ी के सुधारों, नीतिगत पूर्वानुमेयता, स्थिर राजनीति और व्यापार करने में आसानी से प्रेरित भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने नवाचार, डिजिटल क्रांति, स्टार्ट-अप और भविष्य के बुनियादी ढांचे के विकास को दी जा रही प्रधानता पर जोर देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत कुछ वर्षों के समय में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए अच्छी स्थिति में है। उन्होंने कहा कि भारत के नागरिक उड्डयन, बंदरगाह निर्माण, डिजिटल भुगतान और हरित विकास क्षेत्रों में निरंतर वृद्धि ने साइप्रस की कंपनियों के लिए भारत के साथ साझीदारी करने के असंख्य अवसर खोले हैं। उन्होंने भारत की कुशल प्रतिभा और स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र की ताकत को रेखांकित किया और विनिर्माण, एआई, क्वांटम, सेमीकंडक्टर और क्रिटिकल मिनरल्स को भारत की विकास कहानी में योगदान देने वाले नए और उभरते क्षेत्रों के रूप में उजागर किया। श्री मोदी ने कहा कि साइप्रस भारत के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक भागीदार था, विशेष रूप से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश क्षेत्र में और उसने भारतीय अर्थव्यवस्था में नए निवेश के लिए साइप्रस में गहरी रुचि का स्वागत किया। वित्तीय सेवा क्षेत्र में व्यावसायिक भागीदारी की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए।

लालू यादव जंगलराज यूनिवर्सिटी के प्रिंसिपल : विजय सिन्हा

एजेंसी

पटना । बिहार के उप मुख्यमंत्री और भाजपा के नेता विजय कुमार सिन्हा ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू यादव पर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के अपमान को लेकर जोरदार निशाना साधा। विजय कुमार सिन्हा ने लालू प्रसाद यादव को जंगलराज यूनिवर्सिटी का प्रिंसिपल बताया। पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि लालू यादव के जंगलराज यूनिवर्सिटी में जो लोग भी पढ़े हैं या प्रशिक्षण प्राप्त किए हैं, वे कहीं न कहीं अराजकता के सूचक हैं। वे अराजकता उत्पन्न करने वाले लोग हैं। इसलिए इनके जमात में महापुरुषों का सम्मान नहीं, दलितों, गरीबों का और बिहारियों का भी सम्मान नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि लालू यादव ने बिहार को अपमानित किया है। हमारी सांस्कृतिक विरासत पर पूरा देश गर्व करता है, लेकिन लालू यादव ने बिहार को बदनाम और कलंकित

किया। ये अभी भी उन्हीं मानसिकता में बैठे हैं।उन्होंने तेजस्वी यादव के 'जमाई आयोग' के गठन पर परिवारवाद को लेकर लालू यादव को घेरते हुए कहा कि जब राबड़ी देवी सीएम बनीं, तो राजद ससुरालवादी पार्टी बन गई। लालू यादव और तेजस्वी यादव परिवारवादी और ससुरालवादी मानसिकता के लोग हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कभी परिवारवाद को बढ़ावा नहीं दिया। उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने पटना के मीठापुर-महुली एलिवेटेड रोड के पहले फेज के उद्घाटन को लेकर कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार की डबल इंजन की सरकार है। हमलोगों ने जो लक्ष्य रखा है कि बिहार के किसी कोने से पटना का सफर मात्र तीन घंटे में पूरा किया जाए, वह सपना साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में विकास की गति तेज हुई है। विकास की एक मजबूत इमारत तैयार की गई है। इस सड़क से गया इलाके में जाने वाले लोगों को सहूलियत होगी और पटना को जाम से भी मुक्ति मिलेगी।

देश में कोरोना संक्रमण से 11 मरीजों की मौत, कुल सक्रिय मामले घटकर 7264 रहे

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण से 11 और मरीजों की मौत होने से इस वायरस से मरने वालों की कुल संख्या 108 पहुंच गयी और 119 सक्रिय मामले घटने के साथ कुल सक्रिय मामले 7264 हो गये हैं। इससे पहले रविवार को कोरोना सक्रिय मामलों की कुल संख्या 7383 थी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोराना के संक्रमण से केरल में सात, छत्तीसगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में एक-एक मरीज की मौत हो गयी है।

पिछले 24 घंटों में उत्तर प्रदेश, राजस्थान और कर्नाटक में जहां ज्यादा सक्रिय मामले सामने आये हैं वहीं राष्ट्रीय राजधानी, केरल, तमिलनाडु और गुजरात में सक्रिय मामलों में कमी आयी है गत 22 मई को देश में कोराना के मामले सिर्फ़ 257 सक्रिय थे जो आज बढ़कर 7264 तक पहुंच गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान 13604 मरीज कोरोना के

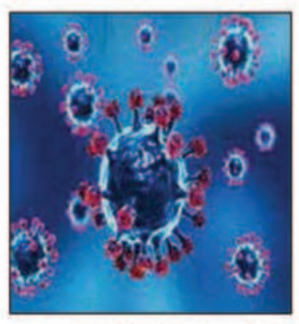

संक्रमण से ठीक हो गये हैं। पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के सबसे अधिक सक्रिय मामले उत्तर प्रदेश से 37, राजस्थान से 30 और कर्नाटक से 18 मामले सामने आये हैं और दिल्ली में 33, केरल में 87 और महाराष्ट्र में 38 मामले कम हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार संक्रमण के नये उभरते वेरिएंट, विशेष रूप से एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और हाल ही में पहचाने गये एनबी.1.8.1 सबवेरिएंट के कारण हो रहा है। इन वेरिएंट्स की जांच चल रही है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देश के 28 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में कोरोना के सक्रिय मामले सामने आये हैं, जबकि तीन राज्यों मिजोरम, हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश में कोरोना संक्रमण का अभी कोई सक्रिय मामला नहीं है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार संक्रमण के मामले में केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य है, हांलाकि आज सुबह तक 87 सक्रिय मामले कम होने के साथ इसका आंकड़ा 1920 रह गया है।

देवरिया में नदी में डूबने से दो सगे भाईयों समेत तीन की मृत्यु

एजेंसी

देवरिया। उत्तर प्रदेश में देवरिया जिले के बरहज क्षेत्र में नदी में स्नान कर रहे दो सगे भाइयों समेत तीन युवकों की डूबने से मृत्यु हो गई है।उपजिलाधिकारी (एसडीएम) बरहज विपिन द्विवेदी ने यहां बताया कि गोरखपुर के मोहद्दीपुर निवासी प्रदीप(24),रोहित (21) और बंटी(20) रविवार को बरहज कस्बे के पटेल नगर में अपने नाना के घर आये थे और आज वे तीनों बरहज के थाना घाट पर सरयू नदी में स्नान कर रहे थे। इस बीच तीनों गहरे पानी में जाकर डूबने लगे। घाट पर मौजूद नाविकों ने तीनों को पानी निकाला और बरहज सीएचसी पर लाया गया जहां डाक्टरों ने तीनों की मौत की पुष्टि कर दी। उन्होंने बताया कि मृतकों में प्रदीप और रोहित सगे भाई है।

हावड़ा लाठीचार्ज मामला :सुप्रीम कोर्ट से 6 पुलिस अधिकारियों को अंतरिम राहत, हाईकोर्ट के आदेश पर लगी रोक

एजेंसी

नई दिल्ली/हावड़ा। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिला अदालत परिसर में हुए पुलिस लाठीचार्ज मामले में 6 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल अंतरिम राहत मिल गई है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी। इन अधिकारियों की याचिका पर संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया है और 6 हफ्ते के भीतर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने अगली सुनवाई तक अधिकारियों की कलकत्ता हाईकोर्ट में पेशी पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने उन्हें अवमानना का नोटिस जारी कर 25 जून को अदालत में पेश होने का आदेश दिया था। इन छह अधिकारियों में से 4 आईपीएस अधिकारी हैं, जिनमें से एक हावड़ा पुलिस आयुक्त भी हैं। ये विवाद साल 2019 का है, जब हावड़ा नगर निगम परिषद में बाइक पार्किंग को लेकर वकीलों और पुलिस के बीच नोंकझोंक हुई थी। परिसर में अपनी कार पार्क करने गए एक वकील के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार हुआ। मामला कहासुनी से आगे बढ़ते हुए हाथापाई तक पहुंचा। बीच-बचाव करने की कोशिश में कथित तौर पर वकील पर हमला हुआ। इस मामले में पुलिस की एंट्री हुई और फिर वकीलों के साथ झड़प शुरू हो गई। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि पुलिस ने अदालत परिसर के भीतर लाठीचार्ज कर दिया, जिसमें कई वकील गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

पीलीभीत कार्यालय मामले में सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की समाजवादी पार्टी की याचिका

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय को खाली कराए जाने के प्रशासन के आदेश के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया है। सर्वोच्च अदालत ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि हाई कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं बनता है। हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देने में समाजवादी पार्टी ने 988 दिन की देरी की है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर उन्हें अपना पक्ष रखना है तो वे हाई कोर्ट जा सकते हैं। दरअसल, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पीलीभीत में समाजवादी पार्टी ऑफिस को खाली कराने के लिए जारी नोटिस को रद्द करने से इनकार कर दिया था। इस मामले को लेकर इलाके में बीते दिनों हुए प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने पीएसी तैनात कर दी है और ड्रोन से इलाके की निगरानी रखी जा रही है। बता दें कि पीलीभीत जिला प्रशासन ने 16 जून तक समाजवादी पार्टी के कार्यालय को खाली करने का नोटिस दिया है। प्रशासन का दावा है कि समाजवादी पार्टी का कार्यालय नगर पालिका के अधिकारी के आवास में चल रहा है, जबकि पार्टी का कहना है कि 2005 में नियमों के तहत इसे आवंटित किया गया था, तब से पार्टी इस जगह से काम कर रही है।

जहां-जहां हादसे हुए वहां भाजपा की सरकार, इनके मंत्री-विधायकों के बयान से देशवासी दुखी: प्रमोद तिवारी

नई दिल्ली। अहमदाबाद एयर इंडिया विमान हादसा, केदारनाथ हेलीकॉप्टर क्रैश और पुणे पुल हादसे को लेकर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने केंद्र सरकार पर जोरदार निशाना साधा है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि इस सरकार में जिस तरह से निजीकरण हुआ उसी का खामियाजा भुगतना पड़ा है। कांग्रेस सांसद ने सोमवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि एक बार जब बंगाल में पुल गिरा था तो पीएम मोदी ने कहा था कि बंगाल से ममता बनर्जी की सरकार जाने वाली है। हाल की घटनाओं पर गौर करें तो अहमदाबाद, उत्तराखंड और पुणे में जो हादसे हुए, वहां प्रदेश में भाजपा की सरकार है। केंद्र में भी इनकी सरकार है, तो क्या मान लें कि इनकी सरकार जाने वाली है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि पुणे पुल हादसे में जान गंवाने वाले मृतकों के प्रति हमारी संवेदना है। पुल जर्जर था। लेकिन, जिस तरह से घटनास्थल पर सरकार के मंत्री, विधायक बोले रहे हैं उससे भारत के लोग दुखी हैं, मुझे भी बहुत पीड़ा हो रही है। गलवान घाटी हादसे के पांच साल पूरे होने पर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि मैं गलवान के उन वीर जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जिन्होंने मां भारती की संप्रभुता और सीमा की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी।

पीएम मोदी का साइप्रस दौरा विदेशी कूटनीति के नजरिए से महत्वपूर्ण: प्रवीण खंडेलवाल

नई दिल्ली। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कांग्रेस पार्टी की ओर से आए उन बयानों पर जोरदार पलटवार किया है, जिसमें पीएम मोदी के साइप्रस दौरे को 'इवेंट' बताया गया था। भाजपा सांसद ने कहा कि कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है, जिसका अस्तित्व लगभग खत्म होने की कगार पर है। पीएम मोदी का साइप्रस का दौरा विदेशी कूटनीति के नजरिए से महत्वपूर्ण है। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने सोमवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि भारत और साइप्रस के बीच पुरानी दोस्ती है। साइप्रस और तुर्की व तुर्की और पाकिस्तान के बीच संबंधों के नजरिए से हमें इसे सावधानी से देखना चाहिए। हालांकि, विपक्ष केवल अपने राजनीतिक लाभ पर ध्यान केंद्रित करता है और कुछ नहीं।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में बड़े नीतिगत बदलाव, अब विश्वविद्यालय आसानी से खरीद सकेंगे विशिष्ट शोध उपकरण

नई दिल्ली। देश में नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कई बड़े नीतिगत बदलावों की घोषणा की। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में प्रेस वार्ता के दौरान इन सुधारों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन निर्णयों से शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों और अकादमिक संस्थानों को लंबे समय से चली आ रही अड़चनों से राहत मिलेगी। डॉ. सिंह ने बताया कि अब विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और वैज्ञानिक संस्थानों के निदेशकों को यह अधिकार होगा कि वे विशिष्ट शोध उपकरणों की गैर-जीईएम माध्यम से भी खरीद कर सकें। पहले केवल सरकारी ई-मार्केटप्लेस से खरीद की अनिवार्यता थी, भले ही वहां आवश्यक वस्तु उपलब्ध न हो। इसके अलावा, सामान्य वित्तीय नियमों में भी संशोधन किया गया है। अब प्रत्यक्ष खरीद की सीमा एक

लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये कर दी गई है। विभागीय समितियों द्वारा की जाने वाली खरीद की सीमा एक लाख से दस लाख रुपये के स्थान पर अब दो लाख से पच्चीस लाख रुपये होगी। वहीं सीमित निविदा और खुली निविदा की सीमा पचास लाख रुपये से बढ़ाकर एक करोड़ रुपये कर दी गई है। संस्थानों के प्रमुख अब दो सौ करोड़ रुपये तक की वैश्विक निविदाएं भी स्वीकृत कर सकेंगे। डॉ. सिंह ने कहा, हमने फाइलों के बोझ को कम करने का प्रयास किया है। यह विश्वास पर आधारित व्यवस्था है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह स्वतंत्रता जिम्मेदारी के साथ दी गई है और इसका उपयोग ईमानदारी से किया जाना चाहिए। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि इन नीतियों से देश की नवाचार क्षमता को मजबूती मिलेगी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की पहचान एक नवाचार-प्रेरित अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित होगी। उन्होंने यह भी कहा कि जैसे अंतरिक्ष और परमाणु क्षेत्र में उदारीकरण से सकारात्मक परिणाम सामने आए, वैसे ही अनुसंधान क्षेत्र में भी यह सुधार क्रांतिकारी सिद्ध होंगे। यह सुधार प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय द्वारा आयोजित विस्तृत विचार-विमर्श के बाद सामने आए हैं। देश के 13 आईआईटी और प्रमुख अनुसंधान संस्थानों की राय इन निर्णयों में शामिल की गई थी। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की एक हालिया रिपोर्ट और पीएसए कार्यालय की प्रस्तुति ने यह दिखाया कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए नियम किस प्रकार अनुसंधान में बाधा बन रहे थे। नई नीतियों से न केवल शोध कार्यों में तेजी आएगी, बल्कि उपकरणों तक सरल पहुंच और युवाओं में शोध के प्रति उत्साह भी बढ़ेगा।

सफदरजंग एन्क्लेव में आंधी में सौ फीट का मोबाइल टावर गिरा, आआपा ने साधा निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के सफदरजंग एन्क्लेव में रविवार तड़के चार बजे तेज आंधी से 100 फीट ऊंचा मोबाइल टावर सड़क पर गिर गया। हादसे के समय सड़क पर कोई मौजूद नहीं रहा, जिससे बड़ा हादसा टल गया। आम आदमी पार्टी (आआपा) के पूर्व विधायक सोमनाथ भारती ने एक्स पर पोस्ट करते हुए घटना को लेकर सरकार और प्रशासन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मोबाइल टावर को स्थानीय लोगों के विरोध के बावजूद यहां लगाया गया था। सोमनाथ भारती ने कहा कि स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस, सांसद, विधायक और दिल्ली

नगर निगम से बार-बार गुहार लगाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। लोगों को यह बोलकर गुमराह किया गया कि हाई-मास्ट स्ट्रीट लाइट लगाई जा रही है, लेकिन इसके बजाय मोबाइल टावर लगाया गया। लोगों ने इसका कड़ा विरोध किया, स्वास्थ्य जोखिम और संभावित खतरे के बारे में चेतावनी दी। लोगों के विरोध के बावजूद मोबाइल टावर लगाया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने शुरू से ही मोबाइल टावर यहां लगाने का विरोध किया, लेकिन प्रशासन ने उनकी नहीं सुनी। आज मोबाइल टावर गिरने से बिजली की तारों और पेड़ों को काफी नुकसान हुआ है।

ईरान पर इजरायली हमलों को कांग्रेस ने बताया शांति के लिए गंभीर खतरा

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने भारत की आधिकारिक स्थिति से इतर इज़रायल की ओर से ईरान की भूमि पर किए गए हालिया हमलों और लक्षित हत्याओं की तीव्र निंदा की है। पार्टी के संचार महासचिव जय राम रमेश ने कहा कि यह हमला क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ाएगा और वैश्विक शांति के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने एक्स पर जारी बयान में कहा कि यह ईरान की संप्रभुता का उल्लंघन है और ऐसी सैन्य कार्रवाइयां आगे के संघर्ष की जमीन तैयार करती हैं। कांग्रेस का मानना है कि कूटनीति, संवाद और अंतरराष्ट्रीय सहयोग ही एकमात्र टिकाऊ रास्ता है। हिंसा से कोई समाधान संभव नहीं।

जयराम रमेश ने आगाह किया कि यदि यह टकराव जारी रहा, तो पहले से संवेदनशील पश्चिम एशिया क्षेत्र व्यापक युद्ध की ओर बढ़ सकता है, जिससे मानवीय और आर्थिक तबाही तय है। उन्होंने भारत सरकार से अपील की कि वह इस मुद्दे पर स्पष्ट रुख अपनाए और सभी कूटनीतिक साधनों का उपयोग करते हुए तनाव कम करने की दिशा में ठोस पहल करे। कांग्रेस ने यह भी कहा कि भारत के ईरान से सभ्यतागत संबंध रहे हैं और हाल के दशकों में इज़रायल से रणनीतिक रिश्ते भी मजबूत हुए हैं। इस अनूठी स्थिति में भारत की भूमिका एक शांति-पुल के रूप में होनी चाहिए। साथ ही पार्टी

ने कहा कि पश्चिम एशिया में लाखों भारतीय नागरिक रहते और काम करते हैं। इसलिए वहां शांति केवल भू-राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि भारत के लिए एक राष्ट्रीय हित भी है।

पुणे पुल हादसा : साइप्रस से पीएम मोदी ने सीएम फडणवीस से की बात, राज्य सरकार ने किया मुआवजे का ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुणे पुल हादसे को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से फोन पर बातचीत की। इस दौरान सीएम फडणवीस ने प्रभावित लोगों की सहायता के लिए चल रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी। पीएम मोदी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में साइप्रस पहुंचे, जहां साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भव्य स्वागत के लिए साइप्रस के राष्ट्रपति का आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी पुणे हादसे को लेकर दुख जताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷पुणे के तालेगांव में इंद्रायणी नदी पर पुल ढहने की दुखद घटना से बहुत दुखी हूं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बात की और जमीनी हालात के बारे में जानकारी ली। पास

में तैनात एनडीआरएफ की टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं, बचाव अभियान में शामिल हुई और उल्लेखनीय तत्परता से कई लोगों की जान बचाई। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। उधर, महाराष्ट्र सरकार ने पुणे में पुल ढहने की घटना में मुआवजे का ऐलान किया है। फडणवीस सरकार ने हादसे में जान गंवाने वालों के परिवारों को 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। इसके साथ ही सरकार घायलों के इलाज का खर्च भी वहन करेगी।महाराष्ट्र सीएमओ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया, ÷मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की है कि राज्य सरकार पुणे जिले के तालेगांव के पास इंद्रायणी नदी पर पुल ढहने की घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों को 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करेगी। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार घायलों के इलाज का खर्च भी वहन करेगी।

केदारनाथ हेलीकॉप्टर क्रैश : पीएम मोदी ने सीएम धामी से की बात, हर संभव सहयोग का दिया भरोसा

एजेंसी

नई दिल्ली। तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में साइप्रस पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से केदारनाथ हेलीकॉप्टर हादसे को लेकर फोन पर बात की और घटना के संबंध में पूरी जानकारी ली। प्रधानमंत्री मोदी ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति शोक व्यक्त किया। साथ ही मृतकों के परिजनों को इस दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा भी दिया। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने प्रधानमंत्री को अवगत कराया कि घटना के बाद तत्काल उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई है। दुर्घटना के कारणों की गहन जांच के लिए उच्च स्तरीय जांच समिति गठित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही बेहतर समन्वय और त्वरित कार्रवाई के लिए कमांड एंड को-ऑर्डिनेशन

सेंटर की स्थापना की जाएगी। उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग के गौरीकुंड क्षेत्र में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में सभी 7 लोगों की मौत हो गई। हेलीकॉप्टर ने सुबह 5:17 बजे गुप्तकाशी के लिए उड़ान भरी थी और केदारनाथ से यात्रियों को लेकर लौट रहा था। इससे पहले सीएम पुष्कर सिंह धामी ने केदारनाथ हादसे को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वर्चुअल उच्च स्तरीय बैठक की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, शासकीय आवास पर बैठक के दौरान अधिकारियों को सोमवार तक चारधाम के लिए हेली सेवा पूर्ण रूप से बंद रखने व पायलटों के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में उड़ान अनुभवों की जांच समेत सभी हेली ऑपरेटरों के साथ बैठक के बाद ही पुनः हेली सेवा को सुचारु करने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश में हेली सेवाओं के संचालन के लिए सख्त एसओपी तैयार करें और हेली उड़ानों के बेहतर समन्वय व सुरक्षित संचालन के लिए देहरादून में कॉमन कमांड एवं को-ऑर्डिनेशन सेंटर स्थापित हो, जिसमें डीजीसीए, आपदा विभाग, सिविल एविएशन, यूकाडा, हेली ऑपरेटर कंपनी के अधिकारियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आगे लिखा, बैठक के दौरान रुद्रप्रयाग में दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर के संबंध में उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए। जिस भी स्तर पर लापरवाही बरती गई है, उन्हें चिन्हित कर दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। जिला प्रशासन रुद्रप्रयाग को दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों से संपर्क कर उनके पार्थिव शरीर को संबंधित राज्यों में भेजने की समुचित व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए।

पुलिस हिरासत से फरार आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने पुलिस हिरासत से फरार आरोपित मेहरबान को एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है।

दक्षिण पूर्वी जिला डीसीपी हेमंत तिवारी ने बताया कि अमर कॉलोनी थाना पुलिस ने 11 जून को लूट का मामला दर्ज किया था। जिसमें तीन अज्ञात बदमाशों ने नवीन गिरी नामक युवक से 1000 लूट लिए थे। एक नाबालिग को मौके पर ही पकड़ लिया गया था, जिसने अपने दो साथियों मेहरबान और शिवम (दोनों निवासी ओखला मंडी) के नाम उजागर किए थे। डीसीपी के अनुसार 12 जून को मेहरबान को एक बटनदार चाकू के साथ गिरफ्तार किया था और उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया। 13 जून को लूट के मामले में एक दिन की पुलिस रिमांड पर लाया गया। लेकिन उसी दिन थाना अमर कॉलोनी की लॉकअप से वह बिजली गुल होने के दौरान पांच अन्य आरोपितो के साथ निकलते समय चकमा देकर फरार हो गया। इस संबंध पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू की। डीसीपी के अनुसार मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तुरंत विशेष अभियान चलाया जिसमें सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय लोगों से पूछताछ और मुखबिरों की मदद से सुराग इकट्ठा किए गए। जांच में सामने आया कि मेहरबान 13 जून की शाम अपने दोस्त जुनैद उर्फ शूटर के घर गया था। बाद में सूचना मिली कि वह ओखला फेज-2 क्षेत्र में छिपा हुआ है। मुखबिरों से मिली पक्की जानकारी के आधार पर सरिता विहार थाना क्षेत्र में जाल बिछाकर पुलिस टीम ने मेहरबान को एक देसी कट्टे और दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया।

आरके पुरम में बड़ा हादसा, करंट लगने से दो युवकों की मौत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के आरके पुरम में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां ढाबे पर काम करने वाले दो कर्मचारियों की करंट लगने से मौत हो गई। यह हादसा तेज आंधी और बारिश के कारण हुआ, जब एक पेड़ टूटने से बिजली का तार टूटकर सो रहे व्यक्तियों के ऊपर गिर गया। जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह आई आंधी और बारिश के कारण क्षेत्र में कई पेड़ उखड़ गए। इसी दौरान आरके पुरम इलाके में एक पेड़ के टूटने से बिजली का तार टूटा और ढाबे पर सो रहे दो कर्मचारियों को अपनी चपेट में ले लिया। करंट की चपेट में आने से दोनों कर्मचारियों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा, हादसे में एक कुत्ता भी करंट की चपेट में आ गया और उसकी भी मौत हो गई।

समाचार एजेंसी से बात करते हुए चश्मदीद ने बताया कि करंट लगने से दो लोगों की मौत हुई है। साथ ही एक कुत्ते की भी जान गई है। यह हादसा रविवार सुबह साढ़े तीन बजे के आसपास हुआ। मृतक ढाबे के पास ही सो रहे थे, तभी वे करंट की चपेट में आ गए। दोनों मृतकों की उम्र 22 से 25 वर्ष के

बीच थी। बता दें कि राजधानी दिल्ली में हुई बारिश से कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी से लोगों को राहत मिली है। शहर के कई हिस्सों में आंधी और तेज हवाएं चलीं। वहीं, कुछ इलाकों में हल्की बारिश भी हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में तूफान और बारिश की चेतावनी जारी की थी। तूफान और बारिश की वजह से कई जगहों पर पेड़ गिरने की सूचना भी मिली है।

आईएमडी के अनुसार, रविवार सुबह हवाएं 80-100 किमी/घंटा की गति से चलीं। सफदरजंग में सुबह 3:48-3:50 और 3:58-4:00 बजे के बीच ओलावृष्टि के साथ आंधी-तूफान दर्ज किए गए। पहले तूफान में हवाएं 82 किमी/घंटा और दूसरे में 104 किमी/घंटा की रफ्तार से चलीं। मौसम विभाग ने निवासियों से सावधानी बरतने का आग्रह किया।

केदारनाथ हेलीकॉप्टर क्रैश पर प्रियंका गांधी ने जताया दुख, राज्य सरकार से की ये अपील

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के केदारनाथ में हुए हेलीकॉप्टर हादसे पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने दुख जताया। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं। प्रियंका गांधी ने राज्य सरकार से अपील करते हुए कहा कि सुरक्षा मानकों की गहन समीक्षा हो और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, गौरीकुंड, उत्तराखंड में हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटना में सात लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। भगवान केदारनाथ दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें। शोक-संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। चारधाम यात्रा शुरू होने के बाद से यह 5वीं हेलीकॉप्टर दुर्घटना है। राज्य सरकार से अपील है कि सुरक्षा मानकों की गहन समीक्षा हो और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। इससे पहले उत्तराखंड के पूर्व सीएम और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने भी हादसे पर दुख जताया। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, केदारनाथ क्षेत्र में फिर से हेलीकॉप्टर दुर्घटना हुई है और यह दुर्घटना भयावह है, पायलट सहित सभी यात्री कालकल्वित हुए हैं। समस्त उत्तराखंड मृतकों के परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करता है। एक तरफ राज्य में सिविल एविएशन सेक्टर बढ़ रहा है। यह अच्छी बात है और दूसरी तरफ दुर्घटनाएं भी अनुपातिक तौर पर बढ़ रही हैं, यह चिंताजनक है। उन्होंने आगे लिखा, सभी दुर्घटनाओं में जांच के बाद जो निष्कर्ष निकले हैं, उन निष्कर्षों के आधार पर सुरक्षा के आवश्यक प्रबंध किए जाने चाहिए। यदि हम कुछ भी लापरवाही बरतते हैं तो इसके परिणाम स्वरूप लोगों के प्राण जा चुके हैं तो हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारा सिविल एविएशन सेक्टर दुर्घटना रहित हो। बाबा केदार, सभी दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं उनके परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

केंद्रीय मंत्री खट्टर ने सरोजिनी नगर में नव निर्मित सरकारी क्वार्टरों का किया निरीक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सरोजिनी नगर में नव निर्मित सरकारी क्वार्टरों का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ नई दिल्ली नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि इन सरकारी क्वार्टरों का निर्माण भवन एवं निर्माण मंत्रालय ने किया था। उन्होंने कहा कि नए क्वार्टरों में कुछ छोटी-मोटी कमियां होना स्वाभाविक है। हमें शिकायतें इसके बाद आज एनडीएमसी के उपाध्यक्ष के साथ स्थिति का निरीक्षण करने के लिए यहां आए हैं। उन्होंने कहा कि हम संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ एक सप्ताह में संयुक्त बैठक करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि यहां के लोगों को और असुविधाओं का सामना न करना पड़े। इस मौके पर एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि सरकार विकसित भारत की विकसित दिल्ली और विकसित एनडीएमसी को इसको लेकर सभी काम कर रही हैं। आज

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। इस बार सरकार ने नई दिल्ली क्षेत्र में जलभराव न होने का संकल्प लिया है। इसके लिए लगातार काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री का दौरा हमारे लिए लाभदायक रहा और कई बातों पर चर्चा हुई। हमने निश्चित रूप से एक बड़ा मानसून एक्शन प्लान बनाया है। दिल्ली नगर पालिका परिषद यहां जलभराव न हो इसके लिए ठोस योजना काम हो रहा है। पिछली सरकार के दौरान मानसून में जो समस्या और परेशान यहां के लोगों को हुई। ऐसा इस बार नहीं होगा। प्रशासन सभी समस्याओं का समाधान समय से पहले कर देगा।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने पंजाब की आआपा सरकार और केजरीवाल पर हमला किया

एजेंसी

लुधियान। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पंजाब के लुधियाना में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी (आआपा) की सरकार और पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर भ्रष्टाचार, नशाखोरी और महिला सम्मान निधि योजना को लेकर हमला किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि पंजाब की महिलाओं को महिला सम्मान निधि योजना के तहत 1,000 रुपये देने का वादा किया गया था, लेकिन अब साढ़े तीन साल हो गए हैं। पंजाब की आआपा सरकार ने एक भी रुपया क्या दिया है? इसका जवाब केजरीवाल देंगे। उन्होंने केजरीवाल पर तंज करते हुए कहा कि दिल्ली की जनता उनकी नीतियों से थोड़ी से नाराज क्या हुई। केजरीवाल यहां आकर बैठे है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि लोग नशाखोरी और नकली शराब से मर रहे हैं लेकिन आआपा सरकार और केजरीवाल क्या कर रहे हैं? उन्होंने आआपा पर बिल्डर माफियाओं के साथ मिलकर गरीब किसानों की जमीन हथियाने का आरोप लगाया । मुख्यमंत्री ने कहा कि केजरीवाल पंजाब की

सरकार को खोखला कर रहे हैं, जो सरकार पंजाब के लोगों के हित में काम करती। वह सरकार आज केजरीवाल की गलत नीतियों की वजह से चार लाख करोड़ के कर्ज तले दबा गई है। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ युद्ध का तीन सालों पर क्या हुआ ? केजरीवाल को इसका जवाब देना होगा।

वीआईपी कल्चर को खत्म करने का वादा करने वाले केजरीवाल यहां पंजाब की जनता के पैसे से बड़े-बड़े गाड़ियों के काफिले से घूम रहे हैं। आखिर केजरीवाल सरकार के कैबिनेट के मंत्री आज पंजाब में क्यों बैठे हैं।मुख्यमंत्री ने केजरीवाल से पंजाब के किसानों को एमआरपी के वादे पर तीखे सवाल पूछे। उन्होंने कहा कि आआपा का पंजाब के किसानों को एमआरपी के वादे का तीन सालों में क्या हुआ।

संपादक की कलम से

धार्मिक यात्रा में बढ़ती हवाई दुर्घटनाएं

प्रभुनाथ शुक्ल

भारत धर्म और आस्था का देश है, लेकिन यहाँ धार्मिक यात्राएं सुरक्षित नहीं हैं। जब चारधाम जैसी यात्रा भी सुरक्षित नहीं है तो दूसरे की बात छोड़िए। धार्मिक स्थलों पर आए दिन श्रद्धालुओं के मरने की घटनाएं होती रहती हैं। उत्तराखंड में आए दिन हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं सुर्खियों में हैं। मई और जून में अब तक पांच दुर्घटनाएं सिस्टम को हिलाकर रख दिया है। हादसों में चालक दल के साथ 14 लोग मारे जा चुके हैं। पवित्र चारधाम यात्रा के दौरान यह आम बात हो गई है। जून 2009 से जून 2025 तक 15 हेलीकॉप्टर क्रैश की घटनाएं हो चुकी हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबित 16 साल में इस तरह की दुर्घटनाओं में 45 लोगों की मौत हुई है। रविवार 15 जून को गौरीकुंड के पास एक हेलीकॉप्टर की दुर्घटना में पायलट सहित 7 लोग मारे गए। चार धामयात्रा प्रबंधन ने इसके पूर्व हुई दुर्घटनाओं से सबक नहीं लिया। 17 मई को केदारनाथ में एम्स ऋषिकेश की एक हेली एम्बुलेंस की इमरजेंसी लैंडिंग हुई जिसमें हेलीकॉप्टर का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबित 12 वर्षों में केदारनाथ में कुल 14 हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें 33 लोगों की मौत हुई। धार्मिक यात्रा के दौरान बढ़ता जोखिम हमारी व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर रहा है। नागरिक और उड्डयन मंत्रालय को इस तरह के हादसों पर गंभीर कदम उठाने की आवश्यकता है। निजी एविएशन कंपनियों पर नकेल कसने की जरूरत है। धार्मिक स्थलों पर बढ़ते हादसे हमारे विश्वास और आस्था पर चोट पहुँचाते हैं। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान बढ़ते हेलीकॉप्टर हादसे को देखते हुए मुख्यमंत्री धामी ने उड़ानों पर

प्रतिबंध लगा दिया है। निश्चित रूप से राज्य सरकार का यह उचित फैसला। भारत सरकार के डीजीसीए ने अगले आदेश तक हेलीकॉप्टर की सभी उड़ानों पर रोक लगा दिया है। लेकिन सिर्फ रोक से काम नहीं चलेगा सम्वधित घटनाओं की जाँच होनी चाहिए। सवाल उठता है किस तकनीकी गड़बड़ियों की वजह से हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। किस स्तर पर लापरवाही बरती जा रही है। निर्दोष यात्रियों की जान को जोखिम में क्यों डाला जा रहा है। पैसा कमाने की होड़ में श्रद्धालुओं को मौत के मुंह में क्यों धकेला जा रहा है। सभी बिंदुओं पर गहराई से जांच पड़ताल की जानी चाहिए। हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं को लेकर जिस तरह की लापरवाही देखने को मिली है वह हमारी व्यवस्था पर सबसे बड़ा सवाल है।

15 जून रविवार को हुए हेलीकॉप्टर क्रैश में मीडिया रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आए हैं कि खराब मौसम के बाद भी निर्दोष श्रद्धालुओं की जान को जोखिम में डालकर हेलीकॉप्टर को उड़ाने के अनुमति दी गई। हालांकि यह जाँच का विषय है, लेकिन सवाल उठता है कि जब मौसम खराब था फिर हेलीकॉप्टर को उड़ाने की अनुमति किसने दी।

जबकि मौसम की गड़बड़ी की वजह से उड़ानों को निलंबित रखा जाता है। इस मामले की निष्पक्ष रूप से जांच होनी चाहिए और निर्दोष लोगों की जान से खेलने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

हम आस्था को लेकर अधिक भीरू हैं। जिसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ता है। धार्मिक स्थलों पर भीड़ तो जरूर से ज्यादा जुटा ली जाती है, लेकिन उसके प्रबंधन के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं की जाती है। आए दिन धार्मिक स्थलों पर मौत की खबरें सुर्खियां बनती हैं। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ में सबसे बेहतरीन व्यवस्था का दावा किया गया था, लेकिन भीड़ प्रबंधन में लापरवाही की वजह से बड़ा हादसा हो गया।

मंदिरों और सत्संग जैसे स्थलों पर आवश्यकता से अधिक भीड़ जुटा ली जाती है, लेकिन उसके नियंत्रण के लिए कोई व्यवस्था नहीं की जाती है। थके-हारे लोग किसी चमत्कार में पड़कर भगदड़ के शिकार हो जाते हैं। लेकिन हम घटनाओं के बाद सबक लेना नहीं चाहते। अपना प्रभुत्व दिखाने के लिए हम भीड़ अधिक से अधिक जमा कर लेते हैं, लेकिन उसके नियंत्रण के लिए हमारे पास कोई संसाधन उपलब्ध नहीं होते हैं। इसका नतीजा होता है कि भगदड़ या दूसरी स्थिति में काफी संख्या में लोग मारे जाते हैं।

उत्तराखंड में चल रही चारधाम यात्रा में देश भर से लाखों लोग पहुंचते हैं। उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता है। यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता अतुलनीय है। दुर्गम पहाड़ियों की चढ़ाई से होते हुए लोग बद्रीनाथ केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री पहुँचते हैं। वहां की प्राकृतिक स्थिति बेहद जटिल है। तीर्थयात्रा के दौरान बुजुर्ग और बच्चों के साथ अस्वस्थ श्रद्धालुओं को चढ़ाई पर कठिन चुनौतियों से गुजरना पड़ता है। क्योंकि, पहाड़ों की कठिन चढ़ाई चढ़ने के बाद ही पवित्र मंदिरों तक पहुंचा सकता है। चढ़ाई दुर्गम और कठिन होने से घोड़े, खच्चर या हेलीकॉप्टर की सुविधा लेनी पड़ती है।

उत्तराखंड पहाडों का राज्य है यहाँ हम जितनी ऊंचाई पर जाते हैं ऑक्सीजन लेवल कम होता जाता है। कई लोगों की यात्रा के दौरान मौत भी हो जाती है। ऑक्सीजन की कमी से भी जूझना पड़ता है। जरूरत पड़ने पर ऑक्सीजन की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। लेकिन चारधाम की पूरी यात्रा जोखिम भरी होती है। जो लोग पैदल यात्रा पूरी नहीं कर सकते वे घोड़े, खच्चर या हेलीकॉप्टर की सुविधा लेते हैं। हेलीकॉप्टर जैसे महंगी सुविधा सभी यात्रियों के लिए उपलब्ध नहीं है। क्योंकि आम श्रद्धालुओं के लिए यह सस्ती और सुलभ नहीं है।

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान दुर्गम पहाड़ी इलाकों और मौसम की खराबी सबसे बड़ी समस्या बनती है। जिसकी वजह से आए दिन हेलीकॉप्टर क्रैश की दुर्घटनाएं होती रहती है। उड़ान को निर्देशित करने के लिए कोई एयर ट्रैफिक कण्ट्रोल की सुविधा उपलब्ध नहीं है। दूसरी तरफ हेलीकाप्टर में सिंगल इंजन होते हैं। उड़ान के दौरान कोई रडार सिस्टम नहीं होता है। कभी उड़ान भरने के बाद अचानक मौसम बिगड़ जाता है जिसकी वजह से उड़ान में दिक्कत हो जाती है। दुर्गम और सकरी घाटियों के साथ ऊँचे-ऊँचे वृक्ष।

मौसम खराब होने की स्थिति में लैंडिंग की कोई जगह नहीं होती है, जहाँ विषम स्थिति में हेलीकॉप्टर को उतार दिया जाय। इसके अलावा हर उड़ान के समय तकनीकी जाँच होनी चाहिए, पता नहीं ऐसा होता भी रहा या नहीं। फिलहाल उड़ान पर प्रतिबन्ध लगाकर धामी सरकार ने उचित निर्णय लिया है। उड़ान भरने वाली सभी निजी कंपनियों की जाँच होनी चाहिए।

हेलीकॉप्टर हादसों के लिए जिम्मेदार लोगों की जबाबदेही तय होनी चाहिए। धार्मिक यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए हर संभव कदम उठाए जाने चाहिए।

संकीर्ण जीवन-दृष्टि और टूटती नैतिक रीढ़

वर्तमान जीवनशैली में सफलता का पैमाना केवल संपत्ति, आलीशान घर, ब्रांडेड कपड़े और कारों में निहित है। यदि कोई व्यक्ति आर्थिक रूप से सक्षम है, तो उसे अपने समाज में स्वतः ही "सफल" माना जाने लगता है, भले ही उस सफलता के पीछे बेईमानी, छल-कपट, शोषण या नैतिक गिरावट क्यों न हो। यह धारणा कि "साध्य ही सब कुछ है, साधन की परवाह नहीं", अब आम होती जा रही है। इस विचारधारा ने ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, संवेदना और कर्तव्य जैसे नैतिक मूल्यों को बहुत पीछे छोड़ दिया है। आज का समाज एक ऐसे व्यक्तिवाद का शिकार है जहाँ "मैं" ही प्राथमिक है, "हम" का कोई विशेष महत्व नहीं रहा। यह आत्मकेन्द्रिकता हर क्षेत्र में दिखाई देती है—शहरी नियोजन से लेकर पारिवारिक ढांचे तक। बड़े-बड़े शहरों में सामूहिक स्थानों, खेल मैदानों, पुस्तकालयों और सार्वजनिक चौपालों की संख्या घट रही है। लोग एक-दूसरे से कटते जा रहे हैं, संवाद सीमित होता जा रहा है और सामाजिक जुड़ाव केवल डिजिटल नेटवर्कों तक सिमट कर रह गया है। यहां तक कि त्योहार और पारिवारिक आयोजन भी अब "फोटो-ऑप" बनकर रह गए हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य सोशल मीडिया पर दिखाना होता है, न कि किसी भी प्रकार की वास्तविक आत्मीयता साझा करना। भौतिकता के इस अंधे दौड़ में तात्कालिक सुख को दीर्घकालिक भलाई पर प्राथमिकता दी जा रही है। संयम, अनुशासन और तप की भावना कमजोर पड़ती जा रही है। सोशल मीडिया, उपभोक्ता वस्तुओं और बाजारवादी प्रचार के जरिए यह धारणा पक्की कर दी गई है कि अधिकतम उपभोग ही सुख का पर्याय है। लोग तुरंत मिल रहे संतोष में इतना लिप्त हो चुके हैं कि आत्म-संयम, आत्मनिरीक्षण और दीर्घकालिक दृष्टिकोण जैसी प्रवृत्तियाँ हास्यास्पद प्रतीत होती हैं।

उपभोग के निर्णयों में नैतिकता का कोई स्थान नहीं बचा है। हम जो पहनते हैं, खाते हैं या उपभोग करते हैं—उसके पीछे की कहानी, चाहे वह पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली हो या किसी मजदूर के शोषण की, हमें प्रभावित नहीं करती। उदाहरण के लिए, फास्ट फैशन का उद्योग आज भी फल-फूल रहा है, भले ही हम सबको पता है कि इसमें कैसे सस्ते श्रम और पर्यावरणीय संसाधनों का दोहन होता है। नैतिक उपभोक्तावाद आज भी केवल कुछ सीमित वर्गों तक सिमटा हुआ है।

इस सोच का परिणाम है कि समाज में नैतिक मूल्यों का क्षरण तीव्र गति से हो रहा है। लोग अब परिणामों को ही सब कुछ मानते हैं—उस परिणाम की प्राप्ति की प्रक्रिया चाहे जितनी भी अपारदर्शी या अनैतिक क्यों न हो। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं है, बल्कि कॉर्पोरेट दुनिया, राजनीति, शिक्षा, चिकित्सा, और मीडिया जैसे हर संस्थान में दिखती है। जब लाभ की भूख नैतिक सीमाओं को लांघती है, तब कॉर्पोरेट घोटाले जन्म लेते हैं, नेताओं की ईमानदारी संदेह के घेरे में आती है और शिक्षा की पवित्रता पर व्यापार हावी हो जाता है।

नैतिक मूल्यों का ह्रास केवल संस्थागत नहीं है—व्यक्तिगत स्तर पर भी सहानुभूति और करुणा कम होती जा रही है। आज का व्यक्ति अपने लक्ष्य की पूर्ति में इतना डूबा हुआ है कि उसे पड़ोसी की पीड़ा, बुजुर्गों की उपेक्षा, या मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं रह गया है। यह संवेदनहीनता धीरे-धीरे समाज को ऐसे व्यक्तियों का समूह बना रही है जो साथ रहते हुए भी अकेले हैं, और जिनके बीच आत्मीयता नहीं, केवल उपयोगिता का संबंध रह गया है।

साथ ही, नैतिक सापेक्षवाद का चलन भी बढ़ा है। जो चीजें पहले स्पष्ट रूप से सही और गलत मानी जाती थीं, अब उन्हें परिस्थितियों के अनुसार उचित या अनुचित ठहराया जाने लगा है। परीक्षाओं में नकल करना, कार्यस्थलों पर झूठ बोलना, रिश्वत देकर काम करवाना—इन सबको अब "सिस्टम का हिस्सा" मान लिया गया है। यह विचार कि "अगर सब कर रहे हैं, तो मैं क्यों नहीं?" एक सामूहिक नैतिक पतन का संकेत है।

यह सब केवल सामाजिक नहीं, बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी खतरनाक है। जब जीवन का उद्देश्य केवल अधिक से अधिक उपभोग बन जाता है, तो संसाधनों का दोहन अपरिहार्य हो जाता है। जलवायु परिवर्तन, जल संकट, जैव विविधता का विनाश—ये सब इसी "अच्छे जीवन" की भ्रामक परिभाषा के दुष्परिणाम हैं। यह विडंबना ही है कि हम एक ऐसा जीवन जीने की कोशिश कर रहे हैं जो पृथ्वी के भविष्य को ही अंधकारमय बना रहा है।

आज की स्थिति यह है कि नैतिकता अब केवल ब्रांडिंग का एक उपकरण बन गई है। बड़ी-बड़ी कंपनियाँ और संस्थाएँ "कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व" के नाम पर कुछ घटनात्मक कार्यक्रम करके अपने दामन को उजला दिखाने का प्रयास करती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर परिवर्तन नहीं होता। यह "सतही नैतिकता" समाज को धोखा देने के साथ-साथ आत्मप्रवंचना को भी जन्म देती है। यदि हमें इस गिरावट को रोकना है और एक संतुलित, करुणामय तथा नैतिक समाज की ओर बढ़ना है, तो हमें "अच्छे जीवन" की धारणा को पुनर्परिभाषित करना होगा। जीवन की सफलता को केवल संपत्ति और प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि उद्देश्य, सद्गुणों, सहानुभूति और सामूहिक भलाई से जोड़ना होगा। इस दिशा में कुछ परंपरागत दर्शन—जैसे बौद्ध धर्म, गांधीवाद और जैन दृष्टिकोण—महत्वपूर्ण संकेत देते हैं। ये परंपराएँ आंतरिक संतुलन, अपरिग्रह, और नैतिक अनुशासन को जीवन की सफलता का आधार मानती हैं।

एक अच्छा जीवन वह है जो केवल अपने लिए नहीं, दूसरों के लिए भी जिया जाए। जिसमें सामुदायिक सहयोग, पर्यावरणीय संवेदनशीलता और आत्म-संयम हो।

चेहरे पर पिंपल्स क्यों होते हैं, पेट से क्या है इसका कनेक्शन?

युवावस्था में अक्सर चेहरे पर पिंपल हो जाता हैं. इन पिंपल्स को लेकर युवा और खासतौर पर युवतियां बहुत परेशान रहती हैं. चेहरे को साफ सुथरा और पिंपल रहित रखने के लिए युवा कई तरह के सौंदर्य प्रसाधनों का भी सहारा लेते हैं. हालांकि पिंपल होने के मुख्य कारणों पर उनका ध्यान नहीं जाता. क्यों होते हैं पिंपल और इनसेकैसे बचा जा सकता है. इस बारे में बता रहे हैं डॉक्टर.

पिंपल होने का मुख्य कारण रोम छिद्रों का बंद होना होता है. यह कई कारणों से हो सकते हैं. तैलीय त्वचा होने के कारण अक्सर रोम छिद्र बंद हो जाते हैं. ऐसा होने पर पिंपल होना शुरू हो जाते हैं. सामान्य तौर पर इलाज और त्वचा की सफाई करने पर पिंपल सही होने लगते हैं. लेकिन, रोम छिद्र बंद हैं तो यह दोबारा हो जाते हैं. हालांकि पेट से संबंधित कुछ बीमारियां भी पिंपल होने का कारण होती हैं.

पेट की गर्मी से होते हैं पिंपल

गाजियाबाद के जिलाएमएमजी अस्पताल के सीनियर स्किन स्पेशलिस्ट डॉ. एके दीक्षित बताते हैं कि पिंपल होने का एक कारण पेट की गर्मी भी होता है. पेट की गर्मी के कारण पसीने में भी वृद्धि होती है. पसीना गंदगी और बैक्टीरिया के साथ मिलकर चेहरे छिद्रों को बंद कर देता है. इसके साथ ही गर्मी के कारण त्वचा में सूजन भी हो सकती है. जिससे पिंपल्स हो सकते हैं.

डॉ दीक्षित कहते हैं कि पेट की गर्मी पिंपल्स होने का एक कारण है, लेकिन यह शरीर में हार्मोनल परिवर्तन से भी होता है. हार्मोनल परिवर्तन के कारण ते इसके अलावा आंतों में इंफेक्शन होने से पेट साफ न होना और शरीर में गंदगी जमने से भी स्किन पर पिंपल्स आ जाते हैं. इसलिए ही कहा जाता है कि जिनको पिंपल्स ज्यादा निकलते हैं उनको बाहर का भोजन और किसी भी तरह का फास्ट फूड नहीं खाना चाहिए.

पेट की गर्मी को कम करने के लिए क्या करें

डॉ दीक्षित के मुताबिक,पेट की गर्मी को शांत रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और शरीर को हाइड्रेट रखें. ठंडे पानी से स्नान करें. मसालेदार और वसायुक्त भोजन से बचें: त्वचा की उचित देखभाल करें।

लव जिहाद ही नहीं अब लव अपराध भी है

मुझे लगता है कि लव यानि प्यार यानि इश्क से जुडी कहानियों को लेकर मुझे अब बाकायदा किसी विश्वविद्यालय में जाकर शोध कार्य करना पडेगा. सोनम-राजा रघुवंशी कांड के बाद मुझे -'नफरत सी हो गई है, मोहब्बत के नाम से '. लगता है प्रेम अब न जिहाद है, न जिद बल्कि अपराध है, केवल अपराध.

इंदौर के राजा रघुवंशी की उसकी पत्नी सोनम द्वारा हत्या और इंदौर कै ही कांग्रेस पारषद द्वारा लव जिहाद के लिए पार्षद निधि का इस्तेमाल सचमुच चौंकाने वाला मामला है. सोनम कांड एक प्रेम, धोखे, और सुनियोजित हत्या की कहानी है, जिसने न केवल राजा रघुवंशी के परिवार को झकझोर दिया, बल्कि समाज में रिश्तों और विश्वास पर सवाल उठाए। मेघालय पुलिस की जांच अभी भी जारी है, और सोनम की व्हाट्सएप चैट, क्राइम सीन रीक्रिएशन, और अन्य सबूत इस मामले को और स्पष्ट कर सकते हैं। सबसे पहले सोनम की बेवफाई की बात करते हैं. मामला पिछले महीने का है लेकिन हमारे ठलुआ मीडिया ने इसे अभी तक जिंदा रखा हुआ है. सोनम का नाम और हर रोज एक नयी कहानी सुन और पढकर लगता है कि सोनम न हुई चंद्रकांता संतति का अंतहीन किस्सा हो गई. लगता है कि मीडिया ने तय कर लिया है कि वो सोनम को मरने नहीं देगा.सोनम कांड, जिसे मेघालय हनीमून मर्डर केस के रूप में भी जाना जाता है, मध्य प्रदेश के इंदौर के रहने वाले राजा रघुवंशी की हत्या से संबंधित एक हाई-प्रोफाइल आपराधिक मामला है। इस मामले में मुख्य आरोपी उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी हैं। यह मामला 2025 में सुर्खियों में आया और इसने पूरे देश में व्यापक चर्चा उत्पन्न की। आपको बता दें कि इंदौर देश में स्वच्छता के मामले में नंवर वन था लेकिन अब अपराध के मामले में नंवर वन है.. भाजपा के राज में इसी इंदौर में हनीट्रेप कांड हुआ था. उस मामले में भी किसी का कुछ नहीं बिगडा और शायद सोनम का भी कुछ नहीं बिगडेगा. मुमकिन है कि रामसे ब्रदर्श सोनम कांड पर कोई हारर फिल्म का ऐलान कर दें.राजा रघुवंशी और सोनम की शादी 11 मई 2025 को हुई थी। शादी के कुछ ही दिनों बाद, सोनम ने अपने पति को हनीमून के लिए मेघालय ले जाने का फैसला किया।मेघालय में, सोनम ने अपने प्रेमी राज कुशवाह और कुछ अन्य साथियों के साथ मिलकर राजा की हत्या की साजिश रची।.20 मई 2025 को राजा और सोनम मेघालय के लिए रवाना हुए। सोनम ने राजा को शिलांग के पास एक सुनसान रास्ते पर ले गई, जिसे उसने हत्या के लिए चुना था।जांच के अनुसार, सोनम ने राजा को वेइसाडोंग फॉल्स के पास ले जाकर उसकी हत्या करवाई और शव को एक गहरी खाई में फेंक दिया। 2 जून 2025 को राजा का शव खाई में मिला।पुलिस का दावा है कि सोनम ने अपने प्रेमी राज कुशवाह और तीन अन्य लोगों (विशाल सिंह चौहान, आकाश राजपूत, और आनंद कुर्मी) के साथ मिलकर इस हत्या को अंजाम दिया।मकसद:प्रारंभिक जांच में हत्या का मकसद सोनम का राज कुशवाह के साथ अवैध संबंध बताया गया है।कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि सोनम ने राजा की हत्या के लिए 20 लाख रुपये का प्रलोभन देकर सुपारी किलर हायर किए।

सोनम ने राजा को तंत्र-मंत्र और मंगल दोष के बहाने कामाख्या मंदिर ले जाकर हत्या की योजना को अंजाम दिया।पुलिस जांच और गिरफ्तारी:मेघालय पुलिस ने इस मामले की जांच के लिए "ऑपरेशन हनीमून" शुरू किया।सोनम ने 9 जून 2025 को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। अन्य तीन आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया।सभी पांच आरोपियों को शिलांग कोर्ट ने 8 दिन की पुलिस रिमांड में भेजा।पुलिस ने सोनम के मंगलसूत्र और अंगूठी से महत्वपूर्ण सुराग प्राप्त किए, जो जांच में महत्वपूर्ण साबित हुए।सोनम की व्हाट्सएप चैट हिस्ट्री को रिकवर करने की कोशिश की जा रही है, जो इस मामले को सुलझाने में महत्वपूर्ण हो सकती है.

यह मामला सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से ट्रेंड कर रहा है, जिसमें "सोनम बेवफा है" जैसे हैशटैग वायरल हुए।बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने भी इस मामले पर टिप्पणी की, जिसमें उन्होंने शादी को लेकर डर और सामाजिक चिंता व्यक्त की।इस कांड ने शादी से पहले पार्टनर की पृष्ठभूमि जांच कराने की मांग को बढ़ा दिया है।सोनम के भाई गोविंद ने राजा के परिवार से मुलाकात की और रोते हुए कहा कि अगर उनकी बहन दोषी है, तो उसे सजा मिलनी चाहिए।सोनम के पड़ोसियों ने भी हैरानी जताई, क्योंकि उन्हें सोनम एक धार्मिक और सामाजिक रूप से सक्रिय लड़की के रूप में दिखती थी।विवाद और अन्य दावे:सोनम के पिता ने अपनी बेटी को निर्दोष बताया और मेघालय पुलिस पर उसे फंसाने का आरोप लगाया, साथ ही सीबीआई जांच की मांग की।

ईरान-इजरायल युद्ध से दुनिया के सामने नई चुनौती

-: ललित गर्ग:-

इजरायल ने ईरान के ह्यपरमाणु कार्यक्रम ठिकानोंह्न पर अचानक हमला करके न सिर्फ दुनिया को चौंका दिया है बल्कि पश्चिमी एशिया के पूरे क्षेत्र को अनिश्चितता, भय, अशांति एवं संकट के भंवर में डाल दिया है। ईरान जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल को करारा जवाब दे रहा है। जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है। लेकिन इन दो राष्ट्रों के संघर्ष एवं युद्ध में समूची दुनिया पीस रही है। एक और युद्ध से दुनिया में विकास का रथ थमेगा, महंगाई बढ़ेगी, तेल के दाम आसमान छूने लगेंगे, व्यापक जनहानि होगी। युद्ध कभी भी किसी के हित में नहीं होता, आखिर समझौते के लिये टेबल पर बैठना ही होता है, तो पहले ही टेबल पर क्यों न बैठा जाये? विनाश एवं सर्वनाथ करने के बाद युद्ध विराम करना कैसे बुद्धिमत्ता है?

इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक एवं विनाशकारी रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। कम से कम छह राउंड में किए गए हवाई हमलों के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम ठिकानों को निशाना बनाया गया। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। ईरान ने तो जवाबी कार्रवाई का इरादा जता ही दिया है, खुद इजरायल सरकार ने भी अपने नागरिकों से अगले कुछ दिन घरों के अंदर रहने और खाने-पीने का सामान इकट्ठा कर लेने को कहा है। इजरायली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभावों का संकेत इसी एक तथ्य से मिल जाता है कि पहले हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13 प्रतिशत बढ़ गईं। दुनिया के शैयर बाजार धराशायी हो गये हैं। इसमें दो राय नहीं कि इजरायल लंबे समय से कहता रहा है कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से हर हाल में रोका जाए और जरूरी हो तो उसके लिए बल प्रयोग से भी हिचका न जाए। उसका कहना है कि ईरान इस स्थिति में आ गया था कि कुछ दिनों के अंदर 15 परमाणु बम बना सकता था। एक भयानक संशय का वातावरण बना हुआ है। पहले रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमाम, कुछ समय भारत-पाक और अब इजरायल-ईरान के बीच युद्ध की स्थितियां बनना विश्व युद्ध की संकटपूर्ण स्थितियों को बल दे रही है। संशय से भरा हुआ आदमी प्रेम एवं मानवीयता से खाली होता है। पारस्परिक स्नेह, सद्भाव, सौहार्द और विश्वास के अभाव में उसका संदेहशील मन सदैव युद्ध, हिंसा, सुरक्षा के साधन जुटाने में संलग्न रहता है। उसका मन कभी निर्भय नहीं होता, वृत्तियां शान्त नहीं होतीं, संग्रह उसके सुख, संतोष और शांति को सुरसा बन लील जाता है।

जिसने परमाणु-शस्त्रों के निर्माण और फैलाव से विश्व को तनाव और संत्रास का वातावरण दिया, अनिश्चय और असमंजस की विकट स्थिति दी, उसने विश्व शांति के धरातल छिन लिया है। इन विनाशकारी स्थितियों में मानवीय सहृदयता, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व की भावना को कैसे अक्षुण्ण रखा जा सकता है? अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव कर तीसरी दुनिया को विकास के समुचित अवसर और साधन देने की संभावनाएं कैसे बलशाली बन सकती है? मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति देना वर्तमान की बड़ी जरूरत है। क्योंकि वर्तमान युद्ध की जटिल से जटिलतर होती परिस्थितियों को देखें तो यह पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और समग्र वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत खतरनाक समय है। यदि अन्य देश भी इस संघर्ष में खेमेबाजी का शिकार होकर जुड़ते गए तो यह खतरा कई गुना बढ़ जाएगा। अच्छी बात यही है कि अभी तक तो ऐसा कुछ नहीं हुआ है। भारत के लिए बेहतर यही होगा कि शांति एवं कूटनीतिक विकल्पों की वकालत करता रहे, लेकिन उसे खुद भी किसी भी प्रकार की स्थितियों के लिए तैयार रहना होगा।

दुनिया में पहले से ही काफी उथल पुथल मची हुई है। अरब देश संघर्ष लंबा खिंचने पर क्या रूख अख्तियार करते हैं। मुस्लिम देशों की जनता में यह सोच पहले से है कि यहूदी सरकार मुस्लिमों पर अत्याचार कर रही है। ऐसे में उनके लिए भी अपनी जनता की भावनाओं को नियंत्रित करना आसान नहीं होगा। वहीं इजरायल के सामने भी एक बड़ी चुनौती है कि अगर उसने संघर्ष शुरू किया है तो वह ईरान के खतरे को हमेशा के लिए खत्म करे। ऐसे में इजरायल का सैन्य अभियान लंबा चल सकता है। वह लक्ष्य हासिल होने तक युद्ध को जारी रख सकता है। इसके लिए ईरान की सत्ता में बदलाव या राजनीतिक नेतृत्व को खत्म करना होगा। यहां अमेरिका का समर्थन अहम होगा। बेहतर होगा दुनिया को भारी नुकसान से बचाने के लिये पूतिन एवं ट्रंप युद्ध की आग बुझाने की कोशिश करें। उनका आपस का दोस्ताना संवाद फिलहाल दुनिया के लिये अकेली उम्मीद की किरण है, हालांकि यूरोपीय संघ को और विशेषतः चीन कुछ हद तक यह अच्छा नहीं लगेगा। लेकिन युद्ध के अंधेरों एवं शांति के उजालों के लिये यही एक रास्ता है।

ईरान पर इजरायल के हमले ने पहले से युद्धरत एवं अस्थिर दुनिया को अधिक वैश्विक संघर्ष की ओर ढकेल दिया है। ईरान भी अपनी पूरी क्षमता के साथ इजरायल पर मिसाइलों से हमला कर रहा है। उधर, इजरायल इस बात पर अड़ा है कि जब तक वह ईरान की परमाणु बम बनाने की क्षमता और मिसाइलों के जखीरे को खत्म नहीं कर देता है तब तक हमले जारी रहेंगे। अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा। आगे चलकर इसमें अमेरिका, चीन और रूस जैसी बड़ी शक्तियां शामिल हो सकती हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध से दुनिया पहले ही दो खेमों में बंटी दिख रही है। ईरान ऐसी जगह पर हैं, जहां से वह बहुत सीमित संसाधनों के साथ समुद्र से होने वाले वैश्विक व्यापार को बाधित कर सकता है। इससे ग्लोबल सप्लाई चेन चरमरा सकती है, विश्व व्यापार ठप्प हो सकता है और विश्व में तेल आपूर्ति का संकट पैदा हो सकता है। इजरायल ईरान को अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है। खासकर उसे लगता है कि अगर ईरान ने परमाणु बम बना लिया तो उसके लिए बहुत बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग (महिला) : ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम को 2-1 से हराया

एजेंसी

लंदन। भारतीय महिला हॉकी टीम को लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 (महिला) मैच में ऑस्ट्रेलिया महिला हॉकी टीम ने 2-1 से हरा दिया। भारतीय टीम के लिए एकमात्र गोल वैष्णवी विट्ठल फाल्के (3वें मिनट) ने किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए एमी लॉटन (37वें मिनट) और लेक्सी पिकरिंग (60वें मिनट) ने गोल किए। मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने शुरुआत अच्छी की और तीसरे मिनट में ही पहला गोल करके 1-0 आगे हो गई। भारत ने दबाव बनाना जारी रखा और लगातार आक्रमण किया। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे क्वार्टर में अपने प्रदर्शन में सुधार किया और गोल करने के अच्छे मौके बनाने शुरू किए। दोनों टीमों ने गेंद पर कब्जा जमाया और मिडफील्ड में एक-दूसरे से भिड़ंत की, लेकिन दोनों ओर से कोई गोल नहीं आया। तीसरे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा रहा और उसने भारतीय डिफेंस के लिए मुश्किलें खड़ी कर दीं। खेल के 37वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया की एमी लॉटन के शानदार गोल की बदौलत वे बराबरी करने में सफल रहीं। मैच के अंतिम क्वार्टर में दोनों टीमें बराबरी पर थीं। भारतीय टीम को कई पेनाल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन उसे भुना नहीं पाए। मैच खत्म होने में 34 सेकंड बचे थे कि ऑस्ट्रेलिया ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर मैच में 2-1 से जीत दर्ज की।

एफआईएच प्रो लीग : भारतीय टीम का खराब प्रदर्शन जारी, ऑस्ट्रेलिया ने 3-2 से दी मात

एंटवर्प (बेल्जियम)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम का एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में खराब प्रदर्शन जारी है। एंटवर्प में चल रहे एफआईएच हॉकी प्रो लीग मुकाबले में भारतीय टीम को एक बार ऑस्ट्रेलिया से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले भारत नीदरलैंड और अर्जेंटीना से मुकाबले हार चुका है। हालांकि यह सभी मुकाबले करीबी रहे थे। मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की ओर से टिम ब्रैंड (4वें मिनट), ब्लेक गोवर्स (5वें मिनट) और कूपर बर्न्स (18वें मिनट) के गोलों ने उनकी टीम की जीत सुनिश्चित की, जबकि संजय (3वें मिनट) और दिलप्रीत सिंह (36वें मिनट) ने भारतीय टीम के लिए गोल किए। मुकाबले में भारतीय हॉकी टीम ने शानदार शुरुआत की। टीम के खिलाड़ी संजय ने तीसरे मिनट में ही एक गोल करके भारत को 1-0 से आगे कर दिया। हालांकि ऑस्ट्रेलिया ने अगले ही मिनट में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। टिम ब्रैंड ने सनसनीखेज अंदाज में गोल किया। कुछ ही सेकंड बाद ब्लेक गोवर्स ने दूसरा गोल करके ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से आगे कर दिया। भारतीय गोलकीपर कृष्ण पाठक ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण को रोकने के लिए कुछ खास नहीं कर सके। पहले क्वार्टर ब्रेक पर ऑस्ट्रेलिया 2-1 से आगे था। फिर 18वें मिनट में कूपर बर्न्स ने गोल करते हुए इसे 3-1 तक बढ़ा दिया। इस गोल ने भारतीय टीम को दबाव में ला दिया। ऑस्ट्रेलिया ने तेज गति से आक्रमण करके अपनी बढ़त बढ़ाने की कोशिश की।

हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी मनप्रीत सिंह ने इतिहास में दर्ज कराया अपना नाम

एंटवर्प। भारतीय हॉकी टीम के दिग्गज खिलाड़ी मनप्रीत सिंह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान पर उतरते ही अपना नाम इतिहास में दर्ज कर लिया है। बेल्जियम के एंटवर्प में खेले जा रहे एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 मुकाबले में हॉकी आइकन मनप्रीत 400वीं बार भारत की जर्सी पहनकर मैदान में उतरे और अपना नाम उन दिग्गजों की विशिष्ट सूची में शामिल कर लिया, जिन्होंने अटूट स्थिरता और दिल से विश्व मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

पंजाब के 33 वर्षीय मिडफील्डर मनप्रीत सिंह अब पूर्व कप्तान और वर्तमान हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की (412 कैप) से पीछे दूसरे सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले भारतीय पुरुष खिलाड़ी हैं। इस उपलब्धि पर भावुक मनप्रीत ने कहा कि मुझे अभी भी याद है कि मुझे अपने डेब्यू मैच में कैसा महसूस हुआ था। 400 मैच में यहां खड़े होना, मेरी कल्पना से परे है। यह उपलब्धिहर उस कोच के साथ साझा करता हूं जिसने मुझे आगे बढ़ाया, हर उस साथी खिलाड़ी के साथ जिसने मेरा साथ दिया और हर उस प्रशंसक के साथ जिसने मुझ पर तब विश्वास किया, जब मुझे इसकी सबसे ज़्यादा जरूरत थी। मैं अभी भी सीख रहा हूं, अभी भी बढ़ रहा हूं और मैं आज भी उसी जोश के साथ खेलता हूं जैसा कि मैं 19 साल की उम्र में खेलता था।

राष्ट्रीय रोल बॉल प्रतियोगिता के लिए मुरादाबाद के चार खिलाड़ी झारखंड के लिए रवाना

मुरादाबाद। जनपद मुरादाबाद के चार रोल बॉल खिलाड़ी 5 वीं फेडरेशन कप राष्ट्रीय रोल बॉल प्रतियोगिता के लिए झारखंड के लिए रवाना हो गए। जिला रोल बॉल संघ के सचिव शाहवेज़ अली ने रविवार को बताया कि मुरादाबाद के शिवओम सैनी, गोविंद गौर, सचिन सैनी और खेतान सैनी 16 जून से 21 जून तक झारखंड के रांची के स्टेडियम में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर रोल बॉल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। शाहवेज़ अली ने आगे बताया कि 5 वीं फेडरेशन कप राष्ट्रीय रोल बॉल प्रतियोगिता में देशभर से टॉप 10 राज्यों की टीमें प्रतिभाग करेंगी, जिसमे उत्तर प्रदेश,महाराष्ट्र, राजस्थान, केरल, कर्नाटक, झारखंड, जम्मू कश्मीर, पंजाब, उड़ीसा, चंडीगढ़ की टीमें शामिल है।

सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन का बड़ा कदम, नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा में बनाएगा 50 मैदान

एजेंसी

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ का दंतेवाड़ा नक्सल प्रभावित जिले के ठप्पे को खत्म कर रहा है और स्थानीय प्रशासन की अनोखी पहल की बदौलत खेल केंद्र के रूप में अपनी नई पहचान बना रहा है। प्रशासन की इस पहल को महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के फाउंडेशन का समर्थन प्राप्त है। जिले में नक्सलियों का प्रभाव धीरे-धीरे कम हो रहा है इसलिए प्रशासन ने मान देशी फाउंडेशन और सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन के साथ मिलकर 'मैदान कप' की शुरुआत की है। इसके तहत दंतेवाड़ा में खेल संस्कृति और प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए 50 खेल के मैदान विकसित किए जाएंगे। दंतेवाड़ा के कलेक्टर कुणाल दुदावत ने बताया, ''इस परियोजना के तहत सामुदायिक भागीदारी से अब तक जिले में कम से कम 20 खेल के मैदान विकसित किए गए हैं और अक्टूबर तक लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा।' पिछले साल राज्य

सरकार ने बस्तर क्षेत्र के दंतेवाड़ा और छह अन्य जिलों की खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए बस्तर ओलंपिक 2024 का आयोजन किया था। दुदावत ने कहा कि इसका उद्देश्य नक्सल प्रभावित और संवेदनशील जिलों की खेल प्रतिभाओं को खेलों के माध्यम से दुनिया से जोड़ना था। उन्होंने कहा, 'इसी तर्ज पर हमने सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन और मान देशी फाउंडेशन के सहयोग से खेल प्रतिभाओं को और बढ़ावा देने के लिए बच्चों और युवाओं को समर्पित खेल के मैदान उपलब्ध कराने के लिए मैदान कप शुरू करने का फैसला किया।' 'दुदावत ने कहा कि पहले चरण में 50 गांवों में इतने ही खेल के मैदान विकसित किए जाएंगे और अगले चरण में इसे पूरे जिले में दोहराया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि 13 विभिन्न खेलों की सुविधाओं के साथ 20 खेल के मैदान विकसित किए गए हैं जिनमें रनिंग ट्रैक, गोला फेंक, भाला फेंक, चक्का, लंबी कूद, वॉल क्लाइंबिंग आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन स्वयं भी खेल के मैदानों का निर्माण कर सकता था लेकिन विचार यह था कि युवाओं और बच्चों को आकर्षित करने के लिए समुदाय और सचिन तेंदुलकर जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों को इसमें शामिल किया जाए। दुदावत ने कहा, 'लंबे समय में हम चाहते हैं कि अगला सचिन तेंदुलकर, नीरज चोपड़ा और पीटी उषा बस्तर से आएं। अधिकारी ने कहा कि इस पहल के तहत अपने क्षेत्रों में खेल के बेहतरीन मैदान विकसित करने वाली पंचायतों को स्केटिंग पार्क से पुरस्कृत किया जाएगा।

अभिजीत गुप्ता बने दिल्ली ग्रांड मास्टर शतरंज के विजेता चौथी बार जीता खिताब

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के सबसे बड़ी पुरस्कार राशि वाले इंटरनेशनल शतरंज टूर्नामेंट दिल्ली ओपन 2025 का खिताब भारत के ग्रांडमास्टर अभिजीत गुप्ता ने अपने नाम कर लिया है। यह दिल्ली ओपन का 21वां संस्करण था। अंतिम राउंड में उन्होंने हमवतन इंटरनेशनल मास्टर अरोण्यक घोष से ड्रॉ खेला और 8.5/10 अंकों के साथ चैंपियन बन गए। यह अभिजीत का इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में चौथा खिताब है - इससे पहले वे 2008, 2014 और 2020 में विजेता रह चुके हैं। दूसरे स्थान के लिए पांच खिलाड़ियों में बराबरी के अंक पर टक्कर थी और क्योंकि सभी ने 8 अंक बनाए, पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर मिखाइल निकितेंको (बेलारूस), दीपयान घोष, अरोण्यक घोष, आदित्य एस सामंत और जीएम [illegible] (वियतनाम) क्रमशः दूसरे से छठे स्थान पर रहे। टूर्नामेंट में कुल 419 खिलाड़ियों ने भाग लिया जिनमें 24 ग्रांडमास्टर, 20 इंटरनेशनल मास्टर और 2 महिला इंटरनेशनल मास्टर शामिल थे। यह आठ दिवसीय 10 राउंड की फिडे रेटेड स्पर्धा दिल्ली

शतरंज संघ द्वारा 7 से 14 जून 2025 तक नई दिल्ली के तिवोली गार्डन में आयोजित की गई। समय नियंत्रण 90 मिनट + 30 सेकंड प्रति चाल था। कुल पुरस्कार राशि 1.21 करोड़ थी, जिसमें केवल कैटेगरी के लिए ?51 लाख निर्धारित किए गए थे। विजेता को 7 लाख, द्वितीय स्थान को 6 लाख और तृतीय स्थान को 5 लाख और ट्रॉफी दी गई।22वां दिल्ली ओपन 2026 में 11 से 18 जनवरी के बीच आयोजित होगा, जिसकी पुरस्कार राशि 1.31 करोड़ होगी।

भारत की टीमएमजीडी 1 बनी विश्व रैपिड टीम शतरंज चैंपियन

एजेंसी

लंदन, यूके। में सम्पन्न हुई फीडे विश्व रैपिड एंड ब्लिट्ज टीम चैंपियनशिप में भारत की टीम एमजीडी 1 ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए विश्व चैंपियन का खिताब अपने नाम कर लिया है ,अंतिम दिन खेले गए चारों निर्णायक मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए टीम ने कुल 12 में से 10 मैच जीते, एक ड्रॉ खेला और केवल एक मुकाबला गंवाया। 21 मैच प्वाइंट के साथ टीम ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया । विश्व रैपिड टीम शतरंज चैंपियनशिप को क्लब फॉर्मेट में खेला जाता है जिसमें अन्य देशो के खिलाड़ी भी शामिल होते है। निर्णायक अंतिम राउंड में अर्जुन एरिगैसी और प्रणव वी की जीत से टीम ने माल्कम्स मेट्स को मात दी और खिताब अपने नाम किया। एमजीडी 1 में भारतीय खिलाड़ियों में अर्जुन एरीगैसी , पेंटाला हरीकृष्णा,लियॉन मेन्दोंसा, प्रणव वी और अमेचर बोर्ड पर अथर्व पी तायड़े शामिल थे जबकि विदेशी खिलाड़ियों में स्पेन के अंटोन डेविड और महिला खिलाड़ी के तौर पर ग्रीस की स्टावरौला त्सोलकिदौ टीम में शामिल थी । टीम के लिए सबसे बड़ी मजबूती बने एमेच्योर बोर्ड के खिलाड़ी अथर्व पी तायड़े, जिन्होंने लगातार 11 मुकाबले जीते और सिर्फ अंतिम राउंड में हार का सामना किया। दूसरे स्थान पर रही हेक्सामाइंड रही जिसने कुल 20 अंक अर्जित किए।इस टीम में भारतीय खिलाड़ी विदित गुजराती और दिव्या देशमुख टीम का हिस्सा थी । वहीं, पूर्व विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद की अगुवाई वाली टीम फ्रीडम ने अंतिम राउंड में शानदार जीत दर्ज कर और तीसरा

स्थान हासिल किया । इस टीम में विस्वनाथन आनंद नें 56 साल की उम्र में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले बोर्ड पर कई महत्वपूर्ण मुकाबले अपने नाम किए उन्होने अर्जुन एरिगासी और जॉर्डन फॉरेस्ट जैसे युवा ग्रांड मास्टरों को बेहतरीन खेल में पराजित किया ।

आज से होगा ब्लिट्ज टीम विश्व चैंपियनशिप का मुकाबला : अब दर्शकों की निगाहें 14 जून से शुरू होने वाले ब्लिट्ज टीम चैंपियनशिप पर टिकी हैं, जिसमें तेजी से खेला जाने वाला प्रारूप और नॉकआउट राउंड का रोमांच देखने को मिलेगा।

'फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल' अभियान में 15,000 से अधिक साइकिल सवारों ने लिया हिस्सा

एजेंसी

नई दिल्ली। फादर्स डे के मौके पर फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीईएफआई) के राष्ट्रीय सचिव पीयूष जैन और 1992 की एशियन मैराथन चैंपियन डॉ सुनीता गोडारा की अगुवाई में राजधानी दिल्ली में 'फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल' अभियान के 27वें संस्करण का आयोजन किया गया।

इस राष्ट्रव्यापी पहल के तहत देशभर के 500 से अधिक स्थानों पर आयोजित इस अभियान में करीब 15,000 से अधिक प्रतिभागियों ने साइकिल चलाई। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में 500 से अधिक लोगों ने फिटनेस और मोटापे के खिलाफ एकजुट होकर साइक्लिंग की। साथ ही जुम्बा, योग और रोप स्किपिंग जैसी गतिविधियों में भी हिस्सा लिया। इस अवसर पर पीईएफआई के राष्ट्रीय सचिव पीयूष जैन ने कहा, फिट इंडिया अभियान के तहत बीते 10-11 वर्षों में देश में खेलों का माहौल अभूतपूर्व रूप से सशक्त हुआ है। मैं गांवों और दूरदराज के बच्चों से अपील करता हूं कि वे इस पहल का हिस्सा बनें। साइक्लिंग न केवल हमारी सेहत बेहतर बनाती है, बल्कि पेट्रोल-डीज़ल की बचत और प्रदूषण कम करने में भी मदद करती है। पूर्व एशियन मैराथन विजेता डॉ सुनीता गोडारा ने कहा कि संडेज ऑन साइकिल के चलते अब लोग सर्दियों में रजाई से और गर्मियों में एसी से बाहर निकल रहे हैं। बतौर खिलाड़ी, यह दृश्य बेहद उत्साहजनक है।

अगर हर व्यक्ति रोजाना 30 मिनट अपनी फिटनेस को दे, तो पूरा देश'परिवार से लेकर समाज तक' स्वस्थ हो जाएगा।इस आयोजन में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज के प्रोफेसर और खेल निदेशक डॉ त्रिभुवन राम नारायण, दिल्ली के सोनिया विहार वॉटर स्पोर्ट्स क्लब के तैराकी कोच मंजीत शेखावत, और साई के उप महानिदेशक मयंक श्रीवास्तव जैसे गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे। यह अभियान युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय (एमवाईएएस), साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीएफआई) और माई बाइक्स के सहयोग से चलाया जा रहा है। दिसंबर 2024 में केंद्रीय मंत्री डॉ मनसुख मांडविया द्वारा शुरू किए गए इस अभियान के तहत अब तक देशभर में 10,500 से अधिक स्थानों पर 3.75 लाख से अधिक लोग भाग ले चुके हैं।

मणिपुर के इम्फाल में इस पहल का नेतृत्व मणिपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर लाइश्रम थंबल सिंह ने किया। गुवाहाटी के साई एनसीओई में शौविक चंदा के नेतृत्व में 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा, पटना, लखनऊ, कर्नाटक के चित्रदुर्ग, कलबुर्गी, चामराजनगर और छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में भी यह अभियान सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

पंजाब एफसी ने डिफेंडर मुहम्मद उवैस को किया साइन, आगामी सीजन के लिए बड़ी मजबूती

एजेंसी

मोहाली। पंजाब एफसी ने आगामी फुटबॉल सीजन के लिए अनुभवी डिफेंडर मुहम्मद उवैस को अपने साथ जोड़ने की घोषणा की है। केरला के मलप्पुरम जिले के निलांबूर से आने वाले 26 वर्षीय उवैस इससे पहले जमशेदपुर एफसी के लिए खेलते थे, जहां उन्होंने आईएसएल कप सेमीफाइनल और कलिंगा सुपर कप फाइनल तक टीम को पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उवैस ने 2022 में जमशेदपुर एफसी से करार किया था और तीन सीजनों में क्लब के लिए कुल 56 मुकाबलों में हिस्सा लिया, जिसमें उन्होंने चार असिस्ट और एक गोल किया। उनका यह गोल मौजूदा सीजन में बेंगलुरु एफसी के खिलाफ आया था। पंजाब एफसी ने उवैस के साथ बहुवर्षीय करार किया है। पंजाब एफसी में शामिल होने पर

उवैस ने कहा, मैं पंजाब एफसी से जुड़कर बेहद रोमांचित हूं। क्लब की योजना और खिलाड़ियों का समूह काफी प्रतिभाशाली है। मेरा लक्ष्य है कि मैं अपनी पूरी मेहनत दूं और टीम के लिए ट्रॉफियां जीतूं। पंजाब एफसी के तकनीकी निदेशक निकोलाओस टोपालियातिस ने कहा कि उवैस एक अनुभवी और समर्पित खिलाड़ी हैं, जिन्होंने घरेलू सर्किट में खुद को साबित किया है। यह करार उनके करियर के सर्वोत्तम दौर में हुआ है और हमें पूरा विश्वास है कि वे पंजाब एफसी के लिए अहम योगदान देंगे। हम उनके अच्छे स्वास्थ्य और शानदार सीज़न की कामना करते हैं। बतादें कि उवैस की फुटबॉल यात्रा प्रसिद्ध एमएसपी अकादमी (मलप्पुरम) से शुरू हुई थी। इसके बाद वे भारत एफसी पुणे अकादमी से भी जुड़े। अपने युवा करियर में उन्होंने सुदेवा दिल्ली एफसी का भी प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने अपने पेशेवर करियर की शुरुआत 2017 में एफसी केरल से की थी, जो उन्होंने 2017-18 के आई-लीग 2 में खेला।

इसके बाद वे एफसी त्रिशूर और फिर बेंगलुरु स्थित ओजोन एफसी से जुड़े। 2020 में उन्होंने बेंगलुरु यूनाइटेड के लिए खेला और अगले वर्ष केरल स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड की ओर से मैदान में उतरे। 2021-22 सीजन में उवैस ने गोकुलम केरल एफसी से करार किया और आई-लीग खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा बने। इस सीजन में उन्होंने 18 मैच खेले और एक गोल किया, जो उनकी आईएसएल में एंट्री का द्वार बना।

गौतम गंभीर की अनुपस्थिति में भारत को अस्थायी रूप से मिला नया मुख्य कोच

एजेंसी

लंदन। गौतम गंभीर अपनी मां को दिल का दौरा पड़ने के बाद भारत लौट आए हैं। उम्मीद है कि वे 20 जून तक वापस आ जाएंगे जिस दिन बर्मिंघम में भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट मैच शुरू होगा। ऐसे में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण गौतम गंभीर की अनुपस्थिति में भारतीय क्रिकेट टीम की देखरेख करेंगे। फिलहाल शुभमन गिल की अगुवाही वाली टीम इंडिया बेकेनहैम में 4 दिवसीय इंट्रा-स्क्वाड मैच खेल रही है। लक्ष्मण पहले से ही इंग्लैंड में मौजूद हैं और गंभीर के इंग्लैंड लौटने तक उनकी भूमिका संभालेंगे। लक्ष्मण वर्तमान में भारत की अंडर-19 टीम की

देखरेख कर रहे हैं जिसमें आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी जैसे सितारे हैं। अंडर-19 टीम को 17 जून से 23 जुलाई तक इंग्लैंड अंडर-19 टीम के खिलाफ 7 मैच खेलने हैं। इसका मतलब है कि लक्ष्मण की इंग्लैंड में मौजूदगी टीम इंडिया के साथ ही हुई। लक्ष्मण पहले भी अस्थायी तौर पर भारत के मुख्य कोच के तौर पर काम कर चुके हैं और एनसीए, इंडिया ए और अंडर-19 टीम के प्रमुख के तौर पर ज़्यादातर खिलाड़ियों के साथ काम कर चुके हैं, इसलिए सीनियर इंडिया टीम की देखरेख करना लक्ष्मण के लिए कोई समस्या नहीं होगी।

बेटी का सपना, पिता का त्याग, अंडे की रेहड़ी लगा बनाया क्रिकेटर, बनी पंजाब टीम की कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। मजबूत इरादे, कड़ी मेहतन और अपनो का साथ यह कुछ ऐसा मिश्रण है जो सफलता की नई कहानी लिख सकता है। फाजिल्का की प्रियंका रानी जो पंजाब अंडर-23 क्रिकेट टीम की कप्तान बन चुकी है, की कहानी भी कुछ ऐसी है जो उनके मजबूत इरादे, कड़ी मेहतन और पिता टेक चंद की तपस्या ने कर दिखाया है। अंडे की रेहड़ी लगाकर बेटी के क्रिकेट के सपने के लिए उसने अपनी ख्वाहिशों को भुला दी। ताकि बेटी के लिए क्रिकेट किट, जूते या कोचिंग की फीस जुटाई जा सके। फाजिल्का के जटियां मोहल्ले की गलियों से निकलकर राष्ट्रीय क्रिकेट के मंच तक पहुंची प्रियंका की कहानी प्रेरणादायक है। उनके पिता टेक चंद ने एक समाचार पत्र को बताया कि जब उन्होंने बेटी की आंखों में क्रिकेट

के लिए वही चमक देखी, जो कभी खुद के भीतर थी तो उन्होंने ठान लिया कि बेटी को पीछे नहीं हटने देंगे। उन्होंने बताया जब प्रियंका को पहली बार 18,000 रुपए की महंगी क्रिकेट किट की जरूरत पड़ी तो घर में हालात अच्छे नहीं थे। ऐसे में उन्होंने तीन घंटे अतिरिक्त रेहड़ी लगाई, ताकि बेटी की जरूरत पूरी हो सके। कभी जूतों के लिए तो कभी आने-जाने के खर्च के लिए उन्हें ओवरटाइम करना पड़ा। टेक चंद ने कहा कि लोगों ने कहा कि बेटा है, उसी पर ध्यान दो, लेकिन मैंने प्रियंका को ही अपना बेटा मान लिया था। दो साल पहले सड़क हादसे में पैर फ्रैक्चर हुआ तो डाक्टरों ने आराम की सलाह दी। लेकिन बेटी की ट्रेनिंग ना रूके इसलिए रेहड़ी लगाना बंद नहीं किया। यह त्याग ही था, जिसने प्रियंका को पंजाब क्रिकेट का चेहरा बना दिया। बरनाला क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से खेल रही प्रियंका चार साल से वहां का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। उनके खेल को पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन का भी समर्थन मिला है। जनवरी 2025 में बीसीसीआइ की अंडर-23 इंटर स्टेट टी-20 प्रतियोगिता में उन्होंने कप्तानी करते हुए सबका ध्यान खींचा। अब वह वूमेन प्रीमियर लीग में जगह बनाकर देश के लिए खेलने का सपना देख रही है। प्रियंका अपने पिता को अपना हीरो मानती हैं। उन्होंने कहा पापा ने कभी मुझे बेटे से कम नहीं समझा।

युवा अक्षत रघुवंशी की बल्लेबाजी के फैन हुए वेंकटेश अय्यर, बांधे तारीफों के पुल

ग्वालियर। मध्य प्रदेश टी20 लीग (एमपीएल) 2025 के पांचवें मुकाबले में इंदौर पिंक पैंथर्स ने जबलपुर रॉयल लायंस को 6 रन से हराकर सीजन की शानदार शुरुआत की। मैच के बाद टीम के कप्तान वेंकटेश अय्यर ने युवा बल्लेबाज अक्षत रघुवंशी की जमकर तारीफ की। अय्यर ने कहा कि आज का असली हीरो अक्षत है। जिस तरह से उसने पूरे मैदान में शॉट्स लगाए, वह काबिले-तारीफ है। 21 साल की उम्र में मैंने इससे बेहतर टैलेंट नहीं देखा। मैं उसकी तरक्की के लिए दुआ करता हूं, भविष्य में वह बहुत आगे जाएगा। अक्षत रघुवंशी ने मैच में 46 गेंदों पर 76 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 5 छक्के शामिल थे। उनकी इस पारी ने इंदौर को 20 ओवर में सात विकेट पर 183 रन तक पहुंचाया। जवाब में जबलपुर की टीम 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 177 रन बना सकी।

मीडिया कप वॉलीबॉल प्रतियोगिता : टीम रेड ने फाइनल मुकाबले में टीम येलो को हराया

एजेंसी

रांची। रांची यूनिवर्सिटी के ग्राउंड में वॉलीबाल मीडिया कप का आयोजन रांची प्रेस क्लब की ओर से किया गया। मंत्री और अन्य गणमान्य अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता की शुरुआत कराई। इसके पूर्व मीडिया कप वॉलीबॉल के दूसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री योगेंद्र प्रसाद, विशिष्ट अतिथि के रूप में मीडिया पार्टनर प्रशांत उनिकृष्णन, संदीप उनिकृष्णन रांची विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स कन्वेनर राजेश गुप्ता, इंटरनेशनल रेफरी राजेश सिंह, इंडियन वॉलीबॉल एसोसिएशन के कार्यसमिति सदस्य उत्तम राज, अंतरराष्ट्रीय रेफरी संजय कुमार, वासुदेव चटर्जी फाउंडेशन के राजीव चटर्जी, रांची ज़िला वॉलीबॉल एसोसिएशन के सचिव संजय ठाकुर, खेलो इंडिया के टेक्नीकल हेड उपेंद्र गुप्ता ने फाइनल मैच सह समापन समारोह का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। इस मौके पर मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि खेल के मैदान में कलकारों को खेलते देखना एक सुखद अनुभव है। उन्होंने दोनों टीमों को शुभकामनाएं दी। दूसरे दिन भी सभी मैन ऑफ द मैच प्लेयर्स को डीआईजी चन्दन सिन्हा की घोषणा के अनुरूप 5-5 हज़ार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

टूर्नामेंट में दूसरे दिन तीन मुकाबले खेले गए पहले मुकाबले में टीम रेड ने टीम येलो को 18-25, 25-5, 15-4 से हराया। वहीं रोमांचक फाइनल मुकाबले में टीम रेड ने टीम येलो को 14-25, 25-18, 15-9 से हरा मीडिया कप वॉलीबॉल टूर्नामेंट में पहली बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इससे पहले लगातार तीन वर्षों से टीम येलो ही चैंपियन थी। मैन ऑफ द मैच और टूर्नामेंट ऑफ द प्लेयर का पुरस्कार टीम रेड के प्रमोद सिंह को दिया गया। वहीं टूर्नामेंट में बेस्ट स्मैशर के रूप में आरजे अरविंद, बेस्ट सप्लायर के रूप में पंकज सिंह, बेस्ट सर्विसर के रूप में अभिषेक सिन्हा, बेस्ट लिफ्टर के रूप में राजेश सिंह, बेस्ट डिफेंडर के रूप में मोनू कुमार को पुरस्कार दिया गया। टूर्नामेंट के प्रायोजक के रूप में वासुदेव चटर्जी स्मृति फाउंडेशन और मीडिया सपोर्ट पार्टनर के रूप में द भास्कर टाइम्स के संदीप उनिकृष्णन और प्रशांत उनिकृष्णन ने अपना सहयोग दिया।

पूरे टूर्नामेंट का लाइव टेलीकास्ट विक्की कुमार की टीम ने किया। जिसे यूट्यूब पर देखा जा सकता है टूर्नामेंट में रेफरी की भूमिका संजय ठाकुर और उनकी टीम ने बखूबी निभाई। टूर्नामेंट में भाग लेने वाले सभी 74 खिलाड़ियों को भी रांची प्रेस क्लब द्वारा स्मृति चिन्ह और गिफ्ट दे कर सम्मानित किया गया।

मैं ऐसी टीम संस्कृति बनाना चाहता हूं जहां हर कोई सुरक्षित और खुश रहे : गिल

लंदन। भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने कभी राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का नेतृत्व करने का सपना नहीं देखा था लेकिन उन्होंने स्वयं के लिए ऐसी टीम संस्कृति बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है जहां हर खिलाड़ी 'सुरक्षित और खुश% रहे। बदलाव के दौर से गुजर रहा भारत 2007 के बाद से इंग्लैंड में अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने के इरादे से उतरेगा। दोनों टीमों के बीच पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला का पहला मैच 20 जून से लीड्स में खेला जाना है। गिल ने कहा, 'मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं भारतीय क्रिकेट टीम का कप्तान बनना चाहता हूं इसलिए सभी ट्रॉफियों के बावजूद मैं ऐसी टीम संस्कृति बनाना चाहता हूं जहां हर कोई बहुत सुरक्षित और खुश रहे।' लेकिन गिल जानते हैं कि यह काम कहना जितना आसान है, करना उतना आसान नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे पता है कि यह बहुत मुश्किल हो सकता है, विशेषकर सभी प्रतिस्पर्धा और जितने मैच हम खेलते हैं उसे देखते हुए, अलग-अलग टीम होती हैं। लेकिन अगर मैं ऐसा कर पाया तो मुझे लगता है कि यह मेरा लक्ष्य होगा।' गिल ने कहा, ''इसलिए एक सुरक्षित माहौल बनाए रखना और खिलाड़ी को उसकी क्षमताओं और योग्यताओं में सुरक्षित महसूस कराना मुझे लगता है कि सबसे महत्वपूर्ण चीजों में से एक है जो एक नेतृत्वकर्ता को करना चाहिए।' गिल ने माना कि सात मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले रोहित शर्मा ने उनके लिए एक स्पष्ट रास्ता तय किया है। उन्होंने कहा, 'ऐसा लग सकता है कि वह आक्रामक नहीं है लेकिन रोहित अपनी रणनीति के मामले में बहुत आक्रामक हैं। वह ऐसे व्यक्ति हैं जो मैचों से पहले, श्रृंखला के दौरान और श्रृंखला के बाद भी अपने संवाद में बहुत स्पष्ट रहते हैं कि वह खिलाड़ियों से क्या चाहते हैं।' भारतीय टेस्ट कप्तान ने कहा कि वह अपने पूर्ववर्ती रोहित के रास्ते पर चलना चाहते हैं जिन्होंने हमेशा टीम को व्यक्तिगत खिलाड़ियों से आगे रखा। उन्होंने कहा, 'रोहित भाई ने जिस तरह का माहौल बनाए रखा, भले ही रोहित भाई आपको अपशब्द कह रहे हों, आप इसे अपने दिल पर नहीं लगाएंगे। यह उनका व्यक्तित्व है। मुझे लगता है कि यह एक बहुत अच्छी विशेषता है।' गिल ने कहा, 'वह दृढ़ है लेकिन भले ही वह आप पर कठोर हो, आप जानते हैं कि यह उनके दिल से नहीं आ रहा है। यह टीम के नजरिए से आ रहा है।' 25 वर्षीय गिल ने कहा कि उन्होंने रोहित के साथ टीम के भविष्य के बारे में बातचीत की। उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसी बातचीत है जो मैंने रोहित भाई के साथ कई बार की है कि आदर्श रूप से अगले पांच, सात या 10 या 15 वर्षों में हम भारतीय क्रिकेट टीम की संस्कृति को कहां देखना चाहेंगे?% गिल ने यह भी कहा कि उन्होंने विराट कोहली के नेतृत्व से बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने कहा, ''जब मैं विराट के नेतृत्व में खेला तो मुझे लगता है कि टेस्ट मैचों में क्षेत्ररक्षण या विचारों या उनकी सोच के साथ उनकी सक्रियता कुछ ऐसी थी जो मुझे पसंद थी और मैंने उसे अपनाया। अगर उन्हें लगता है कि यह योजना काम नहीं कर रही है तो वह तुरंत एक और योजना बना लेते हैं, गेंदबाज को बताते हैं कि वह उनसे क्या चाहते हैं।' गिल ने नेतृत्व की भूमिका संभालने से पहले मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के साथ अपनी बातचीत का सार भी दिया। भारतीय कप्तान ने कहा, 'वे बस यही चाहते हैं कि मैं एक नेतृत्वकर्ता के रूप में खुद को अभिव्यक्त कर सकूं। उन्होंने मुझे यही बताया है, कोई अपेक्षाएं नहीं हैं। वे मेरे से कुछ ऐसा करने की उम्मीद नहीं कर रहे जो मैं करने में सक्षम नहीं हूं।' गिल ने कहा, ''लेकिन एक नेतृत्वकर्ता और एक खिलाड़ी के रूप में आपको निश्चित रूप से खुद से कुछ अपेक्षाएं होती हैं।

नेतन्याहू का विवादास्पद बयान- ईरान के सर्वोच्च नेता की हत्या से 'संघर्ष खत्म होगा, बढ़ेगा नहीं'

एजेंसी

जेरूसलम। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बड़ा और विवादास्पद बयान दिया है। उन्होंने इशारा किया है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को निशाना बनाना एक संभावित विकल्प हो सकता है और यह संघर्ष को बढ़ाने की बजाय खत्म कर देगा। यह टिप्पणी उन्होंने एक अमेरिकी न्यूज चैनल से बात करते हुए की। जब उनसे सीधा सवाल पूछा गया कि क्या खामेनेई की हत्या एक विचाराधीन विकल्प है, तो नेतन्याहू ने कहा, हम वो कर रहे हैं जो हमें करना है।÷ उन्होंने आगे कहा कि यह शासन पिछले पचास वर्षों से पूरे मध्य पूर्व को आतंकित करता आया है। ईरान एक हमेशा का युद्ध चाहता है, और हमें परमाणु युद्ध की कगार पर ला रहा है। इजराइल जो कर रहा है, वह इस आक्रामकता को रोकने और इसे खत्म करने की दिशा में है। नेतन्याहू ने कहा कि अगर ईरान के सर्वोच्च नेती हत्या से संघर्ष समाप्त होता है तो यह बेहतर विकल्प है। उन्होंने यहां तक कहा कि शायद यह एकमात्र तरीका है। बुराई की ताकतों के खिलाफ डटकर खड़ा होना ही होगा।

कैलगरी में प्रधानमंत्री मोदी का फोकस रहेगा वैश्विक प्राथमिकताओं पर

कैलगरी। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां पहुंचने पर कहा कि उनका फोकस वैश्विक प्राथमिकताओं पर रहेगा। उन्होंने कुछ समय पहले एक्स पर लिखा, जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कैलगरी (कनाडा) पहुंच गया हूं। शिखर सम्मेलन में विभिन्न नेताओं से मुलाकात करूंगा और महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर अपने विचार साझा करूंगा। वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं पर भी जोर दूंगा। कैलगरी कनाडा के अल्बर्टा प्रांत का एक प्रमुख शहर है। कैलगरी प्रांत के दक्षिणी भाग के कनाडाई रॉकीज के पूर्व में ऊंचे मैदानों और तलहटी के क्षेत्र में स्थित है। जी- 7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी की लगातार छठी भागीदारी है। यह यात्रा प्रधानमंत्री मोदी की तीन देशों की आधिकारिक यात्रा का हिस्सा है। इसकी शुरुआत साइप्रस से हुई और इसका समापन क्रोएशिया में होगा। कैलगरी में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य प्रमुख राष्ट्राध्यक्ष मौजूद हैं।

इजराइल-ईरान संघर्ष के चौथे दिन जान-माल का भारी नुकसान, कूटनीतिक प्रयास ठप

तेहरान/जेरूसलम। इजराइल और ईरान के बीच चल रहा घातक सैन्य टकराव चौथे दिन और उग्र रहा। दोनों देशों के बीच मिसाइल और ड्रोन हमलों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा, जिससे जनहानि के साथ-साथ कूटनीतिक संवाद भी ठप पड़ गया है।

ईरान ने इजराइल पर दागीं 370 मिसाइलें

इजराइली प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, अब तक ईरान ने 370 बैलिस्टिक मिसाइलें और सैकड़ों ड्रोन इजराइल की ओर दागे हैं, जिनमें 30 ठिकानों को नुकसान पहुंचा है। जवाबी कार्रवाई में इजराइल ने तेहरान, केरमांशाह समेत कई ईरानी शहरों पर हमले किए, जिनमें एक मिसाइल निर्माण इकाई और एक अस्पताल भी क्षतिग्रस्त हुआ। इन हमलों में जहां इजराइल में 24 लोगों की मौत हुई और 592 लोग घायल हुए। घायलों में 10 की हालत नाजुक है। वहीं, ईरानी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार अब तक के इजराइली हमले में 224 नागरिक मारे गए हैं।

आरोप-प्रत्यारोप और जवाबी कार्रवाई की चेतावनी

इजराइली रक्षा मंत्री इसराइल काट्ज ने ईरानी नेतृत्व को कायर हत्यारा करार देते हुए कहा कि तेहरान के नागरिकों को इसकी कीमत चुकानी होगी और वह समय दूर नहीं। वहीं, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने जवाब दिया कि इस युद्ध की शुरुआत हमने नहीं की, लेकिन हम हमले के स्तर के अनुसार प्रतिक्रिया जरूर देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक इजराइल हमले नहीं रोकता, तब तक परमाणु वार्ता में भाग नहीं लिया जाएगा।

इजराइल ने ईरान के नए आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ अली शादमानी को मार गिराया

तेहरान (ईरान)। ईरान और इजराइल के बीच छिड़े भीषण सैन्य टकराव का आज पांचवां दिन है। तेज हुए हवाई हमलों से दोनों देशों के आसमान से धरती पर 'मौत' बरस रही है। ड्रोन, मिसाइल और बमबारी के धमाकों से कानों के परदे सुन्न पड़ने लगे हैं। यह लड़ाई ईरान को काफी भारी पड़ रही है। ईरान की सेना के दर्जनभर टॉप कमांडर मारे जा चुके हैं। कई परमाणु वैज्ञानिकों की जान चा चुकी है। सैन्य ठिकानों को भी भारी नुकसान हुआ है। इजराइल के ताजा मिसाइल हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के करीबी शीर्ष सैन्य अधिकारी अली शादमानी जान चली गई। हालांकि, ईरान ने शादमानी की मौत के बारे में इजराइल के दावों पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। अमेरिका के सीएनएन चैनल ने अपनी खबर में इजराइली वायुसेना के हवाले से कहा कि ताजा हमले में खामेनेई का करीबी और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के खातम-अल अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रमुख अली शादमानी की मौत हो गई है। इजराइली रक्षा बलों ने सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर पूरी रात ईरान में हमला किया है। इजराइली वायुसेना ने तेहरान के केंद्र में एक स्टाफयुक्त कमांड सेंटर पर हमला कर अली शादमानी को मार गिराया।

साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलाइड्स ने पीएम मोदी को दिखाया निकोसिया शहर

एजेंसी

साइप्रस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साइप्रस दौरे से जुड़ी कुछ तस्वीरों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया। उन्होंने साइप्रस के निकोसिया शहर को दिखाने के लिए राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलाइड्स का आभार जताया। उन्होंने कहा कि हमें साइप्रस के साथ लोगों के बीच और घनिष्ठ संबंधों की आशा है। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलाइड्स को धन्यवाद कि उन्होंने मुझे निकोसिया के ऐतिहासिक शहर के कुछ हिस्सों को दिखाया। हमें साइप्रस के साथ लोगों के बीच और घनिष्ठ संबंधों की आशा है। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साइप्रस ने अपने सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस III' से सम्मानित किया है। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलाइड्स ने उन्हें यह सम्मान दिया। पीएम मोदी ने साइप्रस का सर्वोच्च सम्मान मिलने पर सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'साइप्रस के 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस III' का सम्मान पाकर मैं बहुत खुश हूं। मैं इसे हमारे देशों के बीच मित्रता को समर्पित करता हूं। इसके बाद, पीएम मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडोलाइड्स ने संयुक्त रूप से मीडिया को संबोधित किया। पीएम मोदी ने सीमा पार आतंकवाद के विरुद्ध भारत की लड़ाई में साइप्रस के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष को लेकर भी चिंता व्यक्त की। पीएम मोदी ने कहा, मैं भव्य स्वागत और आतिथ्य सत्कार के लिए राष्ट्रपति का हृदय से धन्यवाद करता हूं। जब से मैंने साइप्रस की धरती पर कदम रखा है, तब से यहां के राष्ट्रपति और यहां के लोगों ने जो अपनापन और स्नेह दिखाया है, वह सीधे दिल को छू गया। अभी कुछ देर पहले ही मुझे साइप्रस के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से अलंकृत किया गया। यह सम्मान केवल मेरा नहीं, 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह भारत और साइप्रस की अटूट मित्रता पर मुहर है। इसके लिए मैं एक बार फिर हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

अमेरिकी जज ने ट्रंप को दिया झटका, कहा- एनआईएच का अनुदान रद्द करना अवैध

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के एक संघीय जज ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को झटका दिया है। जज ने फैसले में कहा कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) का अनुदान रद्द करने वाला ट्रंप का निर्देश अमान्य और अवैध है। रद्द किए गए कुछ अनुदानों में एलजीबीटीक्यू आदि के शोध अनुदान भी शामिल थे।

न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, यह फैसला मैसाचुसेट्स के संघीय जज विलियम यंग ने सुनाया। यूएस डिस्ट्रिक्ट जज यंग ने कहा कि यह संघीय कानून का उल्लंघन है। ऐसा निर्देश नस्लीय भेदभाव है। अनुदान रद्द करने के बाद एक अमेरिकी सार्वजनिक स्वास्थ्य संघ और 16 राज्यों के समूह ने मुकदमा दायर किया गया था। मुकदमे कहा गया था कि अनुसंधान निधि में 1.8 बिलियन डालर तक की कटौती की गई है। जज ने फैसले में अनुदानों को बहाल करने का आदेश दिया। स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग के संचार निदेशक एंड्रयू निक्सन ने फैसले पर कहा कि एजेंसी शोध के लिए वित्त पोषण समाप्त करने के

अपने निर्णय पर कायम है। निक्सन ने कहा कि वह अपील दायर करने और आदेश पर रोक लगाने के लिए आगे बढ़ने सहित सभी कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। वादीगणों में हार्वर्ड टीएच चैन स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ब्रिटनी चार्लटन भी शामिल हैं। चार्लटन ने एक बयान में अदालत के फैसले पर खुशी जताई। अदालत ने सरकार के कार्यों की निंदा की और अनुदानों को बहाल करने का आदेश दिया।

फ्रांस ने पेरिस एयरशो में हथियार स्टॉल बंद करने का इजराइल ने जताया विरोध

एजेंसी

पेरिस। फ्रांस और इजराइल के बीच पारंपरिक मित्रता के बावजूद गाजा को लेकर बढ़ती कूटनीतिक संवेदनशीलता के चलते फ्रांस ने पेरिस एयरशो में इजराइल की प्रमुख रक्षा कंपनियों के स्टॉल बंद कर दिए।

फ्रांसीसी सरकार का कहना है कि इन कंपनियों को हमलावर हथियार प्रदर्शित करने से पहले ही रोक की चेतावनी दी गई थी, जिसे नजरअंदाज किया गया। प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बैरू के कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि एयरशो में भाग लेने वाले सभी प्रदर्शकों को पहले ही सूचित कर दिया गया था कि आक्रामक हथियारों को प्रदर्शित करने की अनुमति नहीं होगी। साथ ही, इजराइल दूतावास ने इस प्रतिबंध को मानने पर सहमति भी जताई थी। प्रवक्ता ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि इजराइली कंपनियां नियमों का पालन करती हैं, तो उन्हें अपने स्टॉल फिर से खोलने की अनुमति

दी जा सकती है।

फ्रांस्वा बैरू ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, फ्रांस की कूटनीतिक नीति और विशेष रूप से गाजा को लेकर गहरी चिंता के मद्देनजर ऐसे आक्रामक हथियारों की सार्वजनिक प्रदर्शनी को स्वीकार नहीं किया जा सकता। फ्रांस के इस कदम की इजराइल ने कड़ी आलोचना की है और इसे फ्रांस-इजराइल संबंधों में एक असहज मोड़ बताया है। एयरशो में प्रतिबंध से यह स्पष्ट है कि गाजा संकट पर वैश्विक दृष्टिकोण अब रक्षा उद्योग को भी प्रभावित कर रहा है।

ईरानी हमले से इजरायल की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी बंद

एजेंसी

यरूशलम । ईरान के मिसाइल हमले के बाद इजरायल की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी कंपनी बाजान ने घोषणा की है कि हाइफा बंदरगाह पर उसके सभी प्लांट्स पूरी तरह से बंद कर दिए गए हैं। इस हमले में रिफाइनरी को भारी नुकसान हुआ है। सोमवार रात को हुए हमले में कंपनी के तीन कर्मचारी मारे गए, जिससे रणनीतिक परिसर में आग लग गई। समाचार एजेंसी ने इजरायली दैनिक हारेत्ज के हवाले से बताया कि वीडियो फुटेज में आग की लपटें दिखाई दे रही हैं और अग्निशमन दल अभी भी आग बुझाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कंपनी ने तेल अवीव स्टॉक एक्सचेंज को दी गई सूचना में कहा कि प्लांट्स में बिजली उत्पादन के लिए जिम्मेदार पावर स्टेशन को नुकसान पहुंचने के अलावा बाकी चीजें भी हमले में प्रभावित हुई हैं। इस स्तर पर, सभी रिफाइनरी और सहायक सुविधाएं बंद कर दी गई हैं। बाजन ने कहा कि वे अभी भी क्षति की सीमा और परिचालन पर इसके प्रभाव का आकलन कर रहे हैं, साथ ही स्थिति से निपटने के सर्वोत्तम तरीके पर भी विचार कर रहे हैं। ईरानी हमला

इस्लामिक रिपब्लिक और इजरायल के बीच चार दिनों से चल रहे घातक हवाई युद्ध के बीच हुआ है, जिसमें ईरान में कम से कम 244 और इजरायल में 24 लोगों की जान चली गई है। इजरायल की ओर से ईरान पर अचानक किए गए हवाई हमलों के बाद इस क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। इजरायली अधिकारियों ने बताया कि ईरान ने सुबह से पहले इजराइल पर मिसाइल से नया हमला किया, जिसमें कम से कम आठ लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। इजरायली हमले से शुरू हुआ चार दिवसीय संघर्ष और भी तेज हो गया है।

मिसाइल हमले से पूरे इजरायल में हवाई हमले के सायरन बजने लगे। उत्तरी इजरायल के एक प्रमुख तटीय शहर हाइफ़ा के ऊपर काले धुएं का गुबार उठ रहा था और प्रत्यक्षदर्शियों ने देश के उत्तरी और मध्य क्षेत्रों में कई विस्फोटों की सूचना दी।स्थानीय अधिकारियों ने कई स्थानों पर मौतों की पुष्टि की है। मेयर रामी ग्रीनबर्ग के अनुसार, तेल अवीव के पूर्व में स्थित शहर पेटाह टिकवा में एक रिहायशी इमारत पर मिसाइल गिरने से चार लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त इमारत और तीन आस-पास की इमारतों से सैकड़ों निवासियों को निकाला गया। घटनास्थल से ली गई तस्वीरों में बहुमंजिला इमारतें दिखाई दे रही हैं, जिनमें विस्फोट से काफी नुकसान हुआ है और मलबा बिखरा हुआ है।

'बिना पैसे और साधनों के हमला नहीं हो सकता', एफएटीएफ ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की

एजेंसी

पेरिस। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। एफएटीएफ ने कहा कि यह हमला आतंकी समर्थकों के बीच धन और फंड ट्रांसफर के साधनों के बिना संभव नहीं हो सकता था।

एफएटीएफ ने एक बयान में कहा कि आतंकी हमले दुनिया भर में लोगों की जान लेते हैं, उन्हें अपंग बनाते हैं और भय पैदा करते हैं। पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए क्रूर आतंकवादी हमले पर एफएटीएफ गंभीर चिंता व्यक्त करता है और इसकी निंदा करता है। इस तरह के हमले बिना धन और आतंकी समर्थकों के बीच फंड ट्रांसफर के साधनों के संभव नहीं हो सकते। बयान में आगे कहा गया, ÷जैसा कि एफएटीएफ अध्यक्ष ने म्यूनिख में हाल ही में आयोजित 'नो मनी फॉर टेरर' सम्मेलन में बताया, कोई अकेली कंपनी, प्राधिकरण या देश इस चुनौती का सामना अकेले नहीं कर सकता। हमें वैश्विक आतंकवाद के खतरे के खिलाफ एकजुट होना होगा क्योंकि आतंकवादियों को अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए केवल एक बार सफल होने की जरूरत होती है, जबकि हमें इसे रोकने के लिए हर बार सफल

होना पड़ता है।' जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमले में 26 निर्दोष पर्यटक मारे गए थे। पहलगाम आतंकी हमले की जांच में आतंकियों के पाकिस्तान से संचार नेटवर्क का पता चला। द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) नामक समूह ने, जो संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा है, इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। हालांकि, बाद में उसने वह पलट गया था। भारत ने मई और नवंबर 2024 में संयुक्त राष्ट्र की 1267 प्रतिबंध समिति की निगरानी टीम को अर्ध-वार्षिक रिपोर्ट में टीआरएफ के बारे में जानकारी दी थी, जिसमें पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों के लिए एक आवरण के रूप में इसकी भूमिका को सामने लाया गया था। इससे पहले, दिसंबर 2023 में भारत ने लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के बारे में जानकारी दी थी, जो टीआरएफ जैसे छोटे आतंकी समूहों के माध्यम से काम कर रहे हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान विदेश मंत्रालय (एमईए) ने 25 अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रेस वक्तव्य में टीआरएफ के संदर्भों को हटाने के लिए पाकिस्तान के दबाव को उजागर किया था।

ईरानियों को तेहरान खाली करने की चेतावनी दे डोनाल्ड ट्रंप ने जी-7 शिखर सम्मेलन बीच में छोड़ा

एजेंसी

कैलगरी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कैलगरी में चल रहे जी-7 शिखर सम्मेलन को समापन से एक दिन पहले ही छोड़ने का फैसला किया है। वह मध्य पूर्व में बढ़ रहे तनाव से चिंतित हैं। उन्होंने ईरान के नागरिकों को फौरन तेहरान छोड़ने की चेतावनी भी दी है। न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया कि इजराइल और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष तेजी से बढ़ रहा है। इससे पहले उन्होंने ईरानियों को अपने राजधानी शहर को तुरंत खाली करने की चेतावनी दी। ट्रंप ने कहा कि इसके बाद होने वाली प्रतिक्रिया पर नजर रखने के लिए वह कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन से एक दिन पहले वाशिंगटन लौट जाएंगे। जी-7शिखर सम्मेलन में ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, मुझे जल्द से जल्द वापस अमेरिका लौटना है। इससे पहले व्हाइट हाउस ने संकेत दिया था कि मध्य पूर्व में तनाव को देखते हुए राष्ट्रपति ट्रंप संयुक्त राज्य अमेरिका लौटेंगे। ट्रंप ने कहा कि उनकी योजना मंगलवार देररात तक कनाडा में रुकने की थी। मगर वह सम्मेलन को बीच में छोड़ रहे हैं। ट्रंप ने यहां नेताओं के साथ बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, मुझे लगता है कि ईरान बातचीत की मेज पर है। वह सौदा करना चाहता है। जैसे ही मैं यहां से जाऊंगा, इस पर कामयाबी मिल सकती है। शिखर सम्मेलन में ट्रंप के उपस्थित रहने के कुछ घंटों में ही विभाजन की स्थिति पैदा हो गई।

ईरान-इजरायल संघर्ष : दूतावास ने भारतीय छात्रों को तेहरान से निकाला

एजेंसी

तेहरान । ईरान-इजरायल के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर भारतीय दूतावास, तेहरान में मौजूद भारतीय छात्रों को शहर से बाहर निकाल चुका है। इसके साथ ही अन्य लोग, जिनके पास खुद का ट्रांसपोर्ट है, उन्हें भी शहर से बाहर जाने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही कुछ भारतीयों को आर्मेनिया की सीमा के माध्यम से ईरान छोड़ने में मदद की गई है। दूतावास हरसंभव सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से अपने लोगों के साथ लगातार संपर्क में बना हुआ है।भारत ने ईरान में अपने नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों (पीआईओ) से इलाके में बढ़ते तनाव के मद्देनजर तेहरान खाली करने को कहा है। इन लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने और दूतावास से संपर्क में रहने का निर्देश दिया गया

है। ईरान में भारतीय दूतावास ने एक्स पर पोस्ट किया, सभी भारतीय नागरिक और पीआईओ, जो अपने संसाधनों का उपयोग करके तेहरान से बाहर निकल सकते हैं, उन्हें शहर के बाहर सुरक्षित स्थान पर जाने की सलाह दी जाती है। सभी भारतीय नागरिक, जो तेहरान में हैं और दूतावास के संपर्क में नहीं हैं, उनसे अनुरोध है कि वे तुरंत तेहरान में भारतीय दूतावास से संपर्क करें और अपना स्थान और कॉन्टैक्ट नंबर दें। कृपया +989010144557, +989128109115, +989128109109 पर संपर्क करें। पिछले पांच दिनों से इजराइल-ईरान के बीच संघर्ष जारी है। दोनों देशों के बीच शत्रुता बढ़ती ही जा रही है। ईरान की ओर से इजरायल पर कई मिसाइलें दागी गई हैं, जिससे हाइफा और उत्तरी इजरायल के दर्जनों शहरों और समुदायों के साथ-साथ कब्जे वाले गोलान हाइट्स में एयर रेड साइरन बजने लगे हैं। इसकी पुष्टि इजरायली सेना ने की है।इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी लोगों से तेहरान खाली करने को कह चुके हैं। ट्रंप ने मंगलवार को ट्रुथ पर पोस्ट किया, ईरान को उस समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहिए था, जिस पर हस्ताक्षर करने के लिए मैंने उन्हें कहा था। यह कितनी शर्म की बात है। यह मानव जीवन की बर्बादी है। सीधे शब्दों में कहें तो, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते। मैंने इसे बार-बार कहा है! सभी को तुरंत तेहरान खाली कर देना चाहिए! अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी घोषणा की कि वह मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच स्थिति पर बारीकी से नजर रखने के लिए कनाडा में ग्रुप ऑफ 7 (ज7) शिखर सम्मेलन की अपनी यात्रा को छोटा कर देंगे।

जी7 ने इजरायल का समर्थन किया, ईरान को बताया 'क्षेत्रीय अस्थिरता और आतंक का स्रोत'

एजेंसी

टोरंटो । इजरायल-ईरान में पिछले पांच दिनों से संघर्ष जारी है। इस तनाव के बीच मंगलवार को ग्रुप ऑफ सेवन (जी7) देशों के नेताओं ने मिडिल-ईस्ट में शांति और स्थिरता के लिए अपने समर्थन की पुष्टि की है। इसके साथ ही इजरायल के आत्मरक्षा के अधिकार को सपोर्ट किया है। शिखर सम्मेलन से जारी एक संयुक्त बयान में, जी7 नेताओं ने ईरान को क्षेत्रीय अस्थिरता और आतंक का मुख्य स्रोत बताया है। उन्होंने ईरान को कभी भी न्यूक्लियर वेपन बनाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने सभी पक्षों से गाजा में युद्ध विराम और तनाव कम करने की दिशा में आगे बढ़ने का आग्रह किया है। बयान में कहा गया, हम जी-7 के नेता, मिडिल-ईस्ट में शांति और स्थिरता के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं। इस संदर्भ में, हम पुष्टि करते हैं कि इजरायल को अपनी रक्षा करने का अधिकार है। हम इजरायल की सुरक्षा के लिए अपना समर्थन दोहराते हैं। हम नागरिकों की सुरक्षा के महत्व की भी पुष्टि करते हैं। ईरान क्षेत्रीय अस्थिरता और आतंक का मुख्य स्रोत है। हमारा स्पष्ट मत है कि ईरान के पास न्यूक्लियर वेपन नहीं होना चाहिए। इसके साथ हम ये भी आग्रह करते हैं कि ईरानी संकट का समाधान हो जिससे मिडिल ईस्ट में तनाव कम हो। हम गाजा में भी युद्धविराम चाहते हैं। बयान में बढ़ते तनाव के बीच एनर्जी मार्केट की स्थिरता को बनाए रखने के लिए जी7 की कार्रवाई करने की तत्परता को भी रेखांकित किया गया है। इस बीच, तनाव और बढ़ गया है। इजरायल ने तेहरान के निवासियों को हवाई हमलों से पहले शहर खाली करने की चेतावनी दी है। इजरायली अधिकारियों ने नागरिकों से तत्काल ईरानी राजधानी छोड़ने की अपील की है, जो एक बड़े पैमाने पर हमले का संकेत है। बिगड़ती स्थिति के जवाब में, संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जी7 शिखर सम्मेलन के लिए अपनी यात्रा को एक दिन कम कर दिया। इजरायल-ईरान के इस तनाव के बीच दोनों देशों ने एक-दूसरे के खिलाफ मिसाइल और ड्रोन का इस्तेमाल किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर ट्रम्प ने लोगों से तेहरान को खाली करने को कहा है।

इजराइल ने ईरान के सरकारी टीवी आईआरआईबी के मुख्यालय पर लाइव प्रसारण के दौरान बमबारी की

एजेंसी

तेहरान। इजराइल ने कल ईरान के सरकारी टेलीविजन इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईबी) के मुख्यालय को निशाना बनाया। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इजराइल के लड़ाकू विमानों ने लाइव प्रसारण के दौरान बमबारी की। इस घटना की वीडियो क्लिप भी सामने आई है। इसे बीबीसी ने अपने समाचार के साथ साझा किया है। वीडियो क्लिप में लाइव प्रसारण के दौरान इमारत में जबरदस्त धमाका होता है। इससे महिला एंकर दहल जाती है। स्क्रीन पर धुआं और न्यूज रूम में मलबा भर जाता है। जैसे ही एंकर जल्दी से बाहर निकलती है, कांच के टूटने और चीखने की आवाजें सुनाई देती हैं। अल जजीरा चैनल ने अपनी खबर में इस एंकर का नाम सहर इमामी बताया है। ईरान ने कहा है कि इजराइल ने सेंट्रल ईरान में भी कई जगहों पर बमबारी की है। इस हमले में कुछ पत्रकारों के मारे जाने की सूचना है। मगर इसकी पुष्टि न तो ईरान ने की है और न ही इजराइल ने। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इजराइल ने कुद्स फोर्स के कमांड सेंटर पर भी हमला किया है। यह ईरानी सेना की कुलीन और गुप्त शाखा है। यह मुख्य रूप से ईरान के विदेशी अभियानों देखती है।

प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा से रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा, 'एक्शन प्लान' तैयार करने पर सहमति बनी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऐतिहासिक साइप्रस यात्रा ने भारत की वैश्विक कूटनीति को नई दिशा दी है। अपनी दो दिवसीय यात्रा (15-16 जून) के दौरान प्रधानमंत्री ने साइप्रस की एकता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया।द्विपक्षीय संबंधों की दिशा तय करने के लिए 2025 से 2029 तक की एक विस्तृत 'एक्शन प्लान' तैयार करने पर सहमति बनी। दोनों देशों के विदेश मंत्रालय इस कार्य योजना के कार्यान्वयन की निगरानी करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडुलाइड्स के साथ आज औपचारिक वार्ता की। राष्ट्रपति भवन पहुंचने पर उनका औपचारिक स्वागत किया गया। एक दिन पहले राष्ट्रपति स्वयं एयरपोर्ट पर स्वागत के लिए पहुंचे थे। यह दोनों देशों की गहरी मित्रता को दर्शाता है।दोनों नेताओं ने साझा मूल्यों, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री ने अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा और भारत के साथ एकजुटता के लिए साइप्रस का आभार जताया। साथ ही उन्होंने साइप्रस की एकता और 'साइप्रस प्रश्न' के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत के

समर्थन को दोहराया। उन्होंने व्यापार, निवेश, स्टार्टअप, रक्षा, फिनटेक, एआई, साइबर व समुद्री सुरक्षा सहित सहयोग के नए क्षेत्रों पर सहमति जताई। दोनों पक्षों ने रणनीतिक सहयोग के लिए पांच वर्षीय रोडमैप बनाने का निर्णय लिया। रक्षा साझेदारी को मजबूती देने वाले जनवरी 2025 के समझौते की भी सराहना की गई। प्रधानमंत्री मोदी ने इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर (आईएमईसी) को क्षेत्रीय शांति व समृद्धि का वाहक बताया। संयुक्त राष्ट्र सुधार और भारत की स्थायी सदस्यता पर साइप्रस के समर्थन के लिए उन्होंने राष्ट्रपति का धन्यवाद किया।भारत और साइप्रस ने संयुक्त घोषणा में 'इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर (आईएमईसी)' को एक रणनीतिक और परिवर्तनकारी परियोजना के रूप में पहचाना। यह गलियारा भारत को मध्य पूर्व और यूरोप से जोड़ते हुए व्यापार, संपर्क और टिकाऊ विकास को नया आयाम देगा। साइप्रस को यूरोप का प्रवेश द्वार मानते हुए दोनों पक्षों ने इसे एक क्षेत्रीय लॉजिस्टिक्स हब के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया। भारतीय शिपिंग कंपनियों को साइप्रस में उपस्थिति बढ़ाने और संयुक्त समुद्री परियोजनाओं के जरिये समुद्री सहयोग को मजबूत करने की सहमति बनी। दोनों नेताओं ने वैश्विक शासन प्रणाली में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। साइप्रस ने सुरक्षा परिषद के विस्तार में भारत को स्थायी सदस्य बनाने के लिए अपना समर्थन दोहराया। दोनों देशों ने आतंकवाद के वित्तपोषण, पनाहगाह और बुनियादी ढांचे को समाप्त करने के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता बताई। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) के अंतर्गत आतंकवाद से संबंधित प्रस्तावों के प्रभावी कार्यान्वयन की मांग की।अगले साल यूरोपीय संघ परिषद की अध्यक्षता संभालने जा रहे साइप्रस ने भारत-ईयू रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने का वादा किया। दोनों पक्षों ने 2025 तक ईयू-भारत मुक्त व्यापार समझौते के समापन का समर्थन किया। समुद्री, हरित ऊर्जा, रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग की दिशा में प्रगति की सराहना की गई।

इधर अहमदाबाद प्लेन क्रैश को लेकर ट्रोल हुईं

रीम शेख

उधर दिया करारा जवाब, कहा- मेरी बहन एयर इंडिया...

अहमदाबाद में एयर इंडिया के प्लेन क्रैश को लेकर टीवी की जानी मानी हस्ती रीम शेख को लोगों ने काफी ट्रोल किया है. यहां तक कि इंडस्ट्री के कुछ लोगों ने भी उन्हें इसके लिए बुरा भला कहा है. दरअसल, रीम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है, जिसमें ये सामने आया है कि उन्हें इस एक्सीडेंट के बारे में पता ही नहीं है. इस वीडियो के सामने आने के बाद से लोगों ने उन्हें काफी कुछ कहा है, जिसको लेकर अब एक्ट्रेस ने अपनी चुप्पी तोड़ी है.रीम शेख ने लोगों की ट्रोलिंग पर मुंहतोड़ जवाब देते हुए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक स्टोरी शेयर की है, जिसमें उन्होंने लंबा सा मैसेज लिखा हुआ है. रीम ने इस पोस्ट के जरिए ये बताया कि उन्हें इस घटना के बारे में बाकियों से पहले पता चला था. साथ ही उन्होंने पैपराजी के सामने हुई इस गलतफहमी की भी वजह बताई है. एक्ट्रेस ने बताया कि उनके लिए ये घटना काफी हैरान करने वाली थी, जिसको सुनने के बाद वो रो रही थीं.

'सिर्फ एक हेडलाइन नहीं है'

एक्ट्रेस ने अपनी स्टोरी में लिखा, सबसे पहले, जो लोग मुझे प्लेन क्रैश की जानकारी न होने के लिए ट्रोल कर रहे हैं, वो रुक जाए. मेरी खुद की बहन एयर इंडिया के लिए उड़ान भरती है. जब ये प्लेन क्रैश हुआ, तो मुझे सबसे पहले पता चला था. मैंने उसे घर पर बैठकर रोते हुए और उसके साथी क्रू मेंबर के खोने का दुख मनाते हुए देखा है. यह मेरे लिए सिर्फ एक हेडलाइन नहीं है, यह मेरे लिए बहुत पर्सनल है.

पैपराजी के सवाल का जवाब

आगे उन्होंने पैपराजी की बात करते हुए लिखा कि दूसरी बात ये है कि पैपराजी ने मुझसे पूछा कि कल के बारे में कुछ बोलो, ना कि कल के प्लेन क्रैश के बारे में कुछ बोलो. ये बहुत बुरा है कि लोग कुछ ही वक्त में कितनी चीजें सोच सकते हैं. ऐसा नहीं है कि मुझे परवाह नहीं है, बल्कि ऐसा इसलिए है क्योंकि मुझसे इस घटना के बारे में डायरेक्ट नहीं पूछा गया. ऐसा नहीं है कि इतनी बड़ी घटना के लिए मुझसे पूछा न जाए और मैं ऐसे ही उस पर बोलना शुरू कर दूं.

'नीचा नहीं दिखाना चाहिए'

एक्ट्रेस ने आगे लिखा कि इस घटना ने मुझे इस तरह से झकझोर दिया है कि मैं उसे बयां भी नहीं कर सकती. मेरी बहन इन लोगों के साथ काम करती है, मैंने उसे उनके लिए रोते देखा है और मैं भी उसके साथ रोई हूं. प्लीज कैमरे पर देखे गए एक पल के बेस्ड पर किसी के दिल का न्याय न करें. यह एक ट्रेजडी है और हम सभी को इस पर शोक मनाना चाहिए, न कि एक-दूसरे को नीचा दिखाना चाहिए. ये मामला तब शुरू हुआ जब रीम से पैपराजी ने पूछा कि क्या वो कल के बारे में क्या कहेंगी, इस पर एक्ट्रेस ने पूछा कि कल क्या हुआ था.

किसी और की जिंदगी बर्बाद नहीं करूंगा...जब सलमान के सामने सुनील शेट्टी ने बताई थी मुस्लिम लड़की से शादी करने की वजह

बॉलीवुड में कई ऐसे स्टार्स है जिन्होंने दूसरे धर्म में शादी की है. जाने माने अभिनेता सुनील शेट्टी ने भी ऐसा ही किया था. सुनील जहां हिंदू हैं तो वहीं उनकी पत्नी माना शेट्टी मुस्लिम हैं. उनका असली नाम मोनिशा कादरी है. दोनों ने लंबे समय तक एक दूसरे को डेट किया था और फिर शादी के बंधन में बंध गए थे. आज इनकी गिनती हिंदी सिनेमा के सबसे चर्चित कपल में से एक के तौर पर होती है.सुनील शेट्टी ने एक बार सलमान खान के सामने माना से शादी करने की वजह बताई थी. दरअसल, उनसे शादी को लेकर सलमान खान ने सवाल किया था कि हिंदू होते हुए उनकी मुस्लिम लड़की से शादी कैसे हो गई? इस पर वजह बताते हुए सुनील ने कहा था कि मैंने सोच लिया था मैं किसी और लड़की की जिंदगी बर्बाद नहीं करूंगा.

सुनील शेट्टी ने क्यों की मुस्लिम लड़की से शादी ?

एक बार सुनील शेट्टी, जावेद जाफरी और आफताब शिवदसानी एक साथ सलमान खान के शो 'दस का दम' पर पहुंचे थे. इस दौरान सलमान ने सुनील से उनकी शादी पर सवाल किया था. सलमान ने कहा था, सुनील आपकी शादी हो चुकी है. आपकी मिसेस क्या है? माना क्या है? इस पर सुनील ने कहा था, कादरी, मुसलमान. फिर सलमान ने पूछा था, ये कैसे हो गया? इस पर सुनील ने जो जवाब दिया उसने हर किसी का दिल जीत लिया था. अभिनेता ने कहा था, मैंने पहले ही सोच लिया था कि अगर शादी करूंगा तो माना से ही करूंगा. नहीं तो शादी नहीं करूंगा.

किसी और लड़की की जिंदगी बर्बाद नहीं करूंगा

सुनील ने अपनी बात जारी रखते हुए आगे कहा था, किसी और लड़की की जिंदगी बर्बाद नहीं करूंगा. आज खुश हैं हम. साथ में रहते हैं और सबसे खुशी की बात ये है कि मैं अपने मां-बाप के साथ रहता हूं. सुनील की ये बात सुनते ही जावेद, सलमान और आफताब ने भी तालियां बजाई थी. वहीं ऑडियंस ने भी जमकर तालियां पिटी थी.

1991 में हुई थी शादी

सुनील और माना ने एक दूसरे को 9 साल तक डेट किया था. अलग-अलग धर्मों से होने के चलते ये शादी आसान नहीं थी. लेकिन दोनों ने धर्म की दीवारें तोड़कर साल 1991 में धूमधाम से शादी रचाई थी. इसके बाद दोनों बच्चों के पैरेंट्स बने. कपल की एक बेटी अथिया शेट्टी और एक बेटा अहान शेट्टी हैं.

पहली फिल्म के बाद ऐसा हो गया था अक्षय कुमार का हाल, घबरा गई थीं मां, खुद सुनाई थी पूरी कहानी

बॉलीवुड के सबसे कामयाब एक्टर्स में से एक अक्षय कुमार बीते 34 सालों से हिंदी सिनेमा में काम कर रहे हैं. साल 1987 में आई फिल्म 'आज' में वो कराटे इंस्ट्रक्टर के किरदार में नजर आए थे. हालांकि वो सिर्फ दस सेकेंड के लिए दिखाई दिए थे. इसके बाद उन्होंने 1991 की फिल्म 'सौगंध' से लीड हीरो के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी.अक्षय कुमार आज जिस मुकाम पर है उन्हें वहां तक पहुंचने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा है. काम की तलाश में वो इधर-उधर भटकते थे. ऐसे में जब उनकी पहली फिल्म रिलीज हुई थी तो अक्षय काफी इमोशनल हो गए थे और रोने लगे थे. उन्हें इस हालत में देखकर उनकी मां अरुणा भाटिया घबरा गई थीं.

मां को दिया था साइनिंग अमाउंट

अक्षय कुमार की मां ने एक इंटरव्यू में बताया था कि अक्षय की पहली फिल्म के बाद घर में सभी खुश थे, लेकिन अक्षय भावुक हो गए थे. अरुणा भाटिया ने एक बातचीत में बताया था, अक्षय पिक्चर साइन करके आया तो इसने साइनिंग अमाउंट मेरे हाथ में दिया था और कहा था मां ये आप रखो. तो मैंने वो साइनिंग अमाउंट माता रानी के चरणों में रख दया था. हम इतने खुश हुए कि पूछो ही मत.

रोने लगे थे अक्षय, घबरा गई मां

अक्षय की मां ने आगे कहा था, जब पहली बार इसकी फोटो स्क्रीन पर आई तो मुझे तो मालूम नहीं था, लेकिन सुबह पांच-साढ़े पांच बजे के करीब जब मैं सो रही थी तो ये मेरे पास आया और आकर कहता है मां उठो. मैंने देखा तो ये रो रहा था. मैंने कहा बेटा रोने वाली कौन सी बात है. फिर और जोर से रोने लगा. मैं बड़ी घबरा गई. मैंने पूछा इतनी सुबह-सुबह क्यों रो रहे हो. तो अखबार दिखाकर उसने कहा, देखो मेरी फोटो आई है और फिर मेरे गले लग गया.

'हाउसफुल 5' में नजर आ रहे हैं अक्षय

अक्षय के वर्कफ्रंट की बात करें तो इस साल 'स्काई फोर्स' और 'केसरी चैप्टर 2' के बाद अब अक्षय इन दिनों 'हाउसफुल 5' में नजर आ रहे हैं. ये मल्टीस्टारर पिक्चर फिलहाल टिकट खिड़की पर अच्छी खासी कमाई कर रही है. करीब 250 करोड़ में बनी फिल्म ने आठ दिनों में भारत में 133.25 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है.

अंकिता लोखंडे

और रिया चक्रवर्ती ही नहीं, इन 2 एक्ट्रेसेस संग भी जुड़ा था सुशांत सिंह राजपूत का नाम

5 साल पहले बॉलीवुड ने एक ऐसे एक्टर को खो दिया था, जिसने कम समय में लोगों के दिलों में खास जगह बना ली थी. उन्होंने कुछ ही फिल्मों में काम किया, लेकिन वो यादगार बन गईं. आज भी फैंस उन फिल्मों को ओटीटी पर देखते हैं. जिस एक्टर की बात हम कर रहे हैं उनका नाम सुशांत सिंह राजपूत है और उन्होंने साल 2020 में दुनिया को अलविदा कह दिया था. सुशांत सिंह के निधन की खबर से न सिर्फ उनका परिवार आहत हुआ था बल्कि पूरा देश हैरान रह गया था.14 जून 2020 का वो दिन था जब सुशांत सिंह राजपूत के निधन की खबर आई थी. सुशांत सिंह राजपूत ने टीवी से अपने करियर की शुरुआत की थी, लेकिन बाद में बॉलीवुड के फेमस एक्टर बन गए थे, जिन्हें लोग खूब पसंद करते थे. फिल्मों के अलावा सुशांत सिंह का नाम उनके अफेयर्स को लेकर भी सुर्खियों में रहता था. उनका नाम कई एक्ट्रेसेस के साथ जुड़ा था.

अंकिता लोखंडे

'पवित्र रिश्ता' (2009) नाम के पॉपुलर सीरियल में सुशांत और अंकिता ने लीड रोल प्ले किया था. उनकी जोड़ी घर-घर में फेमस हो गई थी और सीरियल के शूट के दौरान दोनों करीब भी आए थे. दोनों का रिश्ता करीब 2016 तक रहा और दोनों ओपन रिलेशनशिप में थे, लेकिन बाद में उनका ब्रेकअप हो गया था.

रिया चक्रवर्ती

सुशांत सिंह के निधन के बाद रिया चक्रवर्ती के साथ उनके अफेयर की खबर सामने आई थी. रिया ने इस बात को एक्सेप्ट किया था कि उनका अफेयर सुशांत सिंह के साथ था. उन्होंने कई तस्वीरों और वीडियो के जरिए इस बात को साबित भी किया था कि वो सुशांत से बहुत प्यार करती थीं. सुशांत के आखिरी दिनों में रिया ही उनके साथ थीं और उन्होंने अपने कुछ इंटरव्यू में बताया था कि सुशांत के साथ उनका बॉन्ड अच्छा था.

कृति सेनन

2017 में रिलीज हुई फिल्म 'राब्ता' की शूटिंग के दौरान कृति सेनन और सुशांत सिंह राजपूत भी करीब आए थे. बताया जाता है कि अंकिता लोखंडे से सुशांत का रिश्ता कृति की वजह से ही टूटा था. उन दिनों ये खबर खूब सुर्खियों में थी, लेकिन दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते को ऑफिशियल नहीं किया था.

सारा अली खान

2018 में रिलीज हुई हिट फिल्म 'केदारनाथ' में सारा अली खान और सुशांत सिंह राजपूत नजर आए थे. बताया जाता है कि इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान सारा और सुशांत करीब आए थे. हालांकि सारा सुशांत को अच्छा दोस्त मानती थीं और उन्होंने कभी अफेयर की बात स्वीकार नहीं की थी. सुशांत और सारा के बीच अफेयर था या नहीं लेकिन अफवाहें उन दिनों खूब सुर्खियों में रही थीं.

जयपुर में 'विराज इंटरप्राइजेज ' के डायरेक्टर विलास भास्कर राव को मिला कृषि क्षेत्र में अवार्ड'

दिव्य दिल्ली : राजस्थान की राजधानी जयपुर में कैज ब्रेन द्वारा जयपुर के रेडिसन ब्लू होटल में 'क्रिएटर्स और बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड 2025' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान के उपमुख?यमंत्री प्रेमचंद बैरवा रहें, लेकिन अहमदाबाद में विमान दुर्घटना के दुःखद समाचार के कारण कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हुए। कार्यक्रम में 'इंडो अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स' की डायरेक्टर शिल्पा कात्रेला ने पुणे के बिजनेसमैन 'विराज इंटरप्राइजेज '

> " विराज इंटरप्राइजेज ' के डायरेक्टर विलास भास्कर राव ने कहा, मैं अपनी कंपनी के लिए इस साल का 'सर्वश्रेष्ठ कृषि क्षेत्र उपकरण' का अवार्ड पाकर बेहद खुश हूं। मैं और बेहतर कृषि उपकरण बनाने की कोशिश करूंगा "

के डायरेक्टर विलास भास्कर राव कौसदिकर को 'बेस्ट कृषि क्षेत्र उपकरण' अवार्ड 2025 से सम्मानित किया। इस मौके पर 'विराज इंटरप्राइजेज ' के डायरेक्टर विलास भास्कर राव ने कहा, मैं अपनी कंपनी के लिए इस साल का 'सर्वश्रेष्ठ कृषि क्षेत्र उपकरण' का अवार्ड पाकर बेहद खुश हूं। मैं और बेहतर कृषि उपकरण बनाने की कोशिश करूंगा। इससे पहले भी हमारी कंपनी देश के अलग-अलग हिसों में कई कार्यक्रमों में अनेक सम्मान पा चुकी है। इस समय हमारी कंपनी देश के कई जाने-माने ब्रांड्स को अपनी सेवाएं प्रदान कर रही है। भविष्य में हम और बेहतर सेवाएं देने की कोशिश करेंगे।

सलमान खान ने दर्शील सफारी के फिल्मी व ओटीटी डेब्यू, 'गेमरलॉग' डेब्यू को दिया आशीर्वाद

दिव्य दिल्ली : जब बॉलीवुड के 'भाईजान', यानी सलमान खान बोलते हैं, तो उसे दुनिया सुनती है। इस बार सलमान खान ने अमेजन एमएक्स प्लेयर की दर्शील सफारी और अंजलि शिवरामन की मुख्य भूमिका से सजी नवीनतम और अब तक की सबसे अनूठी सीरीज 'गेमरलॉग' की टीम के लिए के प्रशंसा के शब्द बोले हैं। खास बात यह है कि 'गेमरलॉग' दर्शील सफारी का ओटीटी डेब्यू भी है, जो इसे और भी अधिक प्रतीक्षित लॉन्च बनाता है। आर्य देव के निर्देशन से सजी इस सीरीज का निर्माण अभिनय देव, नीता शाह, भारत

कुमार शाह और युग देव ने अपने बैनर आरडीपी पल्प फिक्शन एंटरटेनमेंट के तहत किया है। बता दें कि अमेजन की नई सीरीज 'गेमरलॉग' प्रतिस्पर्धी ई-स्पोर्ट्स के उच्च दांव-पेंच और भावनात्मक रूप से चार्ज की गई दुनिया में गहराई से गोता लगाता है। निमार्ता-निर्देशकों का दावा है कि यह एक ऐसा ब्रह्मांड है, जिसे कभी भी किसी फिक्शन वेब सीरीज या फिल्म में अब तक नहीं दिखाया गया है। उनका तो यहां तक कहना है कि पहली बार किसी मुख्यधारा की भारतीय सीरीज गेमिंग की दुनिया को इतने जमीनी, नाटकीय और भरोसेमंद तरीके से दर्शकों के सामने ला रही है। निमार्ता-निर्देशकों का कहना है कि हाल ही में रिलीज हुई इस सीरीज को पहले ही दर्शकों की ओर से इसके नए अंदाज, सम्मोहक पात्रों और भावनात्मक गहराई को लेकर उत्साहित करने वाली प्रतिक्रियाएं मिली हैं। सलमान खान ने इस सीरीज के आधिकारिक पोस्टर का अनावरण किया और पूरी टीम को शुभकामना दीं। उन्होंने कहा- 'आप सभी को बधाई, बहुत बढ़िया।' सलमान ने कहा- ''गेमरलॉग' जितना गेमिंग के बारे में है, उतना ही 'लॉग' के बारे में भी है। उनके संघर्ष, उनकी भावनाएं और एक-दूसरे के साथ और उनके परिवारों के साथ उनके संघर्ष, केवल ई-स्पोर्ट्स की प्रतिस्पर्धी दुनिया में अपनी पहचान बनाने के लिए है। उल्लेखनीय है कि अमेजन शॉपिंग ऐप, प्राइम वीडियो, फायर टीवी, मोबाइल और कनेक्टेड टीवी के माध्यम से 'गेमरलॉग' अब अमेजन एमएक्स प्लेयर पर मुफ्त स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

लालू यादव की बढ़ी मुश्किलें, राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने भेजा नोटिस, 15 दिनों में मांगा जवाब

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव की मुश्किलें अब बढ़ती दिख रही हैं। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर के अपमान का वीडियो वायरल होने के बाद राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने उन्हें नोटिस भेजा है। आयोग ने राजद प्रमुख से 15 दिनों के अंदर जवाब देने को भी कहा है। इतना ही नहीं, स्पष्टीकरण नहीं देने पर एफआईआर दर्ज करने की बात भी कही गई है।

राज्य अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष देवेंद्र कुमार ने राजद प्रमुख लालू यादव को नोटिस जारी किया है, जिसमें लिखा गया है कि लगातार सोशल मीडिया में आपके जन्मदिन का एक वीडियो देखा जा रहा है, जिसमें आप और आपके एक कार्यकर्ता द्वारा संविधान निमार्ता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की फोटो का अपमान किया जा रहा है। अतः आपको निर्देश दिया जाता है कि उक्त वीडियो के संबंध में 15 दिनों के भीतर आप आयोग के समक्ष अपना पक्ष रखें, अन्यथा यह समझा जाएगा कि आपने जानबूझकर यह कृत्य किया है।

आयोग ने आगे पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आप 15 दिनों के अंदर आयोग के समक्ष अपना पक्ष नहीं रखते हैं, तो आप पर अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा चलाया जाएगा।

जैन मंडी के कॉम्प्लेक्स में फिर पुलिस का छापा

दिव्य दिल्ली: खतौली।नगर की पॉश कालोनी जैन मंडी एक बार फिर विवादों में घिर गई है। स्थानीय पुलिस ने कॉलोनी स्थित एक कॉम्प्लेक्स में छापा मारा, जहां तीन युवक एक युवती को लेकर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि वे सभी मनोरंजन के उद्देश्य से वहां आए थे, लेकिन पुलिस की भनक लगते ही युवती मौके से निकल गई, जबकि तीन युवक कॉम्प्लेक्स के भीतर ही रह गए। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि पुलिस किसी को भी हिरासत में नहीं ले सकी, जिससे कार्रवाई पर सवाल खड़े हो गए हैं प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि युवक और युवती सभी पुलिस की मौजूदगी में ही थे, फिर भी उन्हें जाने दिया गया। गौरतलब है कि यह वही कॉम्प्लेक्स है, जहां कुछ दिन पूर्व दिल्ली पुलिस ने भी छापा मारा था, जब एक दिल्ली निवासी युवती की लो. केशन यहां मिली थी। उस समय भी कॉम्प्लेक्स मालिक, उसका बेटा और नौकर ने पुलिस और मीडियाकर्मियों से अभद्रता की थी, जिसके चलते कार्रवाई अधूरी रह गई थी। स्थानीय निवासी आक्रोशित हैं। उनका कहना है कि जैन मंडी कॉलोनी समाज सेवी और प्रतिष्ठित लोगों की बस्ती है, जो सामाजिक व धार्मिक गतिविधियों में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। बार-बार इस तरह की घटनाओं से उनकी छवि धूमिल हो रही है।

आम आदमी पार्टी ने चलाया सफाई अभियान

दिव्य दिल्ली : आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के रचनात्मक कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कैंपस की सफाई की गई। मुजफ्फरनगर के जिला अध्यक्ष अरविन्द बालियान के नेतृत्त्व में सीएचसी खतौली में जाकर वहां की साफ सफाई व अन्य स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं को देखा गया। मुख्य द्वार की झाड़ू से साफ सफाई की गई। वहां के शौचालयों और रैन बसेरे में गंदगी व अनियमितताएं पाई गई। हर्बल गार्डन में लगें पौधे पानी व देख रेख के अभाव में सूख चुके थे। रविवार होने के कारण केंद्र के प्रभारी व स्वास्थ्य के सभी विभागों की स्थिति की गहन जानकारी नहीं मिल सकी। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत श्रम दान करने वालों में जिला उपाध्यक्ष कुलदीप तोमर, जिला महासचिव अजय चौधरी, उदयवीर उपाध्याय, मनोज कुमार व अन्य कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष अरविन्द बालियान ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में में योगी सरकार फैल हो चुकी है। जिला उपाध्यक्ष कुलदीप तोमर ने कहा कि सरकारी अस्पताल बदहाल स्थिति में है और प्राइवेट हॉस्पिटल जनता को लूटने में लगे हैं। अजय चौधरी ने कहा कि यूपी सरकार पर्याप्त संख्या में डॉक्टर और अन्य स्टाफ नियुक्त करना नही चाहती जिस कारण स्थिति बदहाल है।

साहस, संघर्ष और सफलता की मिसाल बनीं मुजफ्फरनगर की तनु रानी, ग्रेपलिंग वर्ल्ड कप में भारत के लिए जीते दो पदक

दिव्य दिल्ली : मुजफ्फरनगर। संघर्ष और मेहनत की मिसाल बनीं मुजफ्फरनगर जनपद की होनहार बेटी तनु रानी ने अपने बुलंद हौसलों और अदम्य साहस के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। मूल रूप से खतौली क्षेत्र के ग्राम भैंसी निवासी तनु रानी एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता चेतन कुमार रिक्शा चाला कर और साथ ही पशुपालन कर तथा अन्य मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते रहे, जबकि माता बबली देवी एक गृहिणी हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद भी इस परिवार ने अपनी बेटी के सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया। तनु रानी ने पॉलिटेक्निक के साथ-साथ बी.ए. तथा बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स में भी डिप्लोमा किया है। बचपन से ही उन्हें कुश्ती और रेसलिंग का गहरा शौक था। वर्ष 2015 में अपने जीजा सोनू के मार्गदर्शन में उन्होंने मुजफ्फरनगर के अर्जुन अखाड़ा में कुश्ती का प्रशिक्षण लेना शुरू किया। लेकिन आर्थिक तंगी के कारण उन्हें बीच में ही यह प्रशिक्षण छोड़ना पड़ा। इस कठिन परिस्थिति में उनकी मां बबली देवी ने हिम्मत नहीं हारी और मेहनत-मजदूरी कर तनु को दोबारा अखाड़े तक पहुंचाया। तनु रानी की मेहनत रंग लाई और उन्होंने दिसंबर 2024 में दिल्ली में आयोजित स्टेट रेसलिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर अपने माता-पिता और जिले का नाम रोशन किया। इसके बाद उन्होंने 2025 में शिमला में आयोजित नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप में भी स्वर्ण पदक हासिल कर खुद को साबित किया। इन्हीं उपलब्धियों के चलते तनु रानी का चयन कजाकिस्तान के अस्ताना में 12 से 15 जून 2025 तक आयोजित ग्रेपलिंग वर्ल्ड कप के लिए हुआ। लेकिन यहां एक बार फिर आर्थिक तंगी उनके सपनों के आड़े आई।

वीजा और टिकट के लिए पैसे न होने के कारण उनकी मां ने अपने जेवर गिरवी रखकर बेटी को विदेश भेजने का निर्णय लिया। यह कदम एक मां के अटूट विश्वास और बलिदान का प्रतीक बन गया। जब तनु अस्ताना पहुंचीं, तो उन्हें पता चला कि जिस 70 किलो वर्ग में वे प्रतिभागी थीं, वह श्रेणी मान्य नहीं है। उन्हें मजबूरन 90 किलो भारवर्ग में उतरना पड़ा, जो कि उनके लिए एक बड़ी चुनौती थी। लेकिन मुजफ्फरनगर की इस बहादुर बेटी ने हिम्मत नहीं हारी और विश्वास के साथ मुकाबले में उतरीं। अपने विरोधियों को एक के बाद एक हराते हुए तनु रानी ने ग्रेपलिंग वर्ल्ड कप में सिल्वर और ब्रॉन्ज दो पदक जीतकर भारत का परचम लहराया। स्वदेश वापसी पर जैसे ही तनु रानी खतौली पहुंचीं, क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्राम भैंसी के प्रधान अमित कुमार, कुशल प्रधान सुधीर वाल्मीकि, धाम सोनू, गौरव, निखिल फौजी, डॉ. अंकुर प्रकाश गुप्ता, आदित्य, दीपक, भाजपा नेता राजू अहलावत, भाजपा जिला अध्यक्ष सुधीर सैनी, अर्जुन अहलावत, विशाल राठौर फौजी सहित क्षेत्र के गणमान्य जनों ने ढोल-नगाड़ों के साथ उनका भव्य स्वागत किया और शहर को जश्न में डुबो दिया। तनु रानी ने इस अवसर पर कहा कि वे महान धावक मिल्खा सिंह को अपना रोल मॉडल मानती हैं और उनके जैसी उपलब्धियां हासिल करना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि अब उन्हें भारत का ब्लेजर भी प्राप्त हो चुका है, और आगे चलकर वे अपने माता-पिता व बहन के लिए कुछ और बड़ा करना चाहती हैं। क्षेत्रवासियों ने तनु रानी को दिल से शुभकामनाएं दीं और उनकी सफलता को देश और समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। यह न केवल तनु रानी की विजयगाथा है, बल्कि उस संघर्षशील मां-बेटी के अटूट संकल्प और भारतीय नारी शक्ति का प्रतीक भी है।

आधार को मुफ्त ऑनलाइन अपडेट की तारीख 14 जून, 2025 से बढ़ा कर 14 जून 2026 की गई

नई दिल्ली। देशभर में लाखों आधार धारकों को लाभ मिलने की उम्मीद है। पहचान प्राधिकरण ने आधार को मुफ्त ऑनलाइन अपडेट की तारीख 14 जून, 2025 से बढ़ा 14 जून 2026 कर दी गई है। इस कदम से, आधार अपडेट करने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। ऐसे में जो लोग अपना आधार मुफ्त में अपडेट करना चाहते हैं, वे अपने दस्तावेजों को मुफ्त में अपलोड कर आधार में बदलाव करा सकते हैं।

इस कदम से देशभर में लाखों आधारधारकों को लाभ मिलने की उम्मीद है। आम लोग मुफ्त सेवा का लाभ माई आधार पोर्टल के माध्यम से ले सकते हैं। यूआईडीएआई लोगों को अपने आधार में दस्तावेज अपडेट रखने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। यूआईडीएआई ने आधार धारकों से, खास तौर पर उन लोगों से, जिन्होंने 10 साल से ज्यादा समय पहले अपना आधार प्राप्त किया था और तब से अपने दस्तावेज अपडेट नहीं किए हैं, आधार डेटाबेस में अपने रिकॉर्ड अपडेट करने का आग्रह किया है। यह उन व्यक्तियों के लिए भी महत्वपूर्ण है जिनका नाम, पता या अन्य जनसांख्यिकीय विवरण बदल गया है।

आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतने पर जय शाह ने दक्षिण अफ्रीका को दी बधाई

'नई दिल्ली, । आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने शनिवार को लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का फाइनल जीतने के लिए दक्षिण अफ्रीका को बधाई दी।

जय शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप जीतने पर दक्षिण अफ्रीका को बधाई, प्लेयर ऑफ द मैच एडेन मार्करम का शानदार प्रदर्शन। लॉर्ड्स एक शानदार वेन्यू रहा, जहां हर दिन आई भारी भीड़ ने एक बार फिर से टेस्ट क्रिकेट में रुचि दिखाई।"

जय शाह इस मैच को देखने के लिए खुद मौजूद थे और चैंपियन दक्षिण अफ्रीका को ट्रॉफी उन्होंने ही दी।

दक्षिण अफ्रीका ने 27 साल के बाद कोई आईसीसी टूर्नामेंट जीता है। उसने आखिरी बार 1998 आईसीसी नॉकआउट टूर्नामेंट जीता था।

दक्षिण अफ्रीका की इस जीत में एडन मार्करम, कप्तान टेंबा बवुमा और तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा का अहम रोल रहा।

एडन मार्करम ने दूसरी पारी में यादगार 136 रन की पारी खेली। दोनों पारियों में मिलाकर उन्होंने दो विकेट भी लिए। कप्तान टेंबा बवुमा ने पहली पारी में 36 और दूसरी पारी में 66 रन की पारी खेली। कगिसो रबाडा ने पहली पारी में पांच और दूसरी पारी में नौ विकेट लेकर इस ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई।

दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने स्टीव स्मिथ के 66 और ब्यू वेबस्टर के 72 रन की मदद से 212 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका पहली पारी में 138 पर सिमट गई थी और पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया से 74 रन से पिछड़ गई।

बुराड़ी थाना पुलिस ने ई- रिक्शा चोर गिरोह का किया भंडाफोड़ 16 वाहन बरामद

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के बुराड़ी थाने की पुलिस टीम ने ई-रिक्शा चोरी करने वाले दो कुख्यात वाहन चोरों और एक रिसीवर को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान किराड़ी सुलेमान नगर के वीरपाल और पीरागढ़ी के भिखारी लवकुश और नांगलोई के रिसीवर ओमप्रकाश उर्फ ??ओमी के रूप में हुई है।

बुराड़ी थाना पुलिस ने इनके पास से चोरी के 16 ई-रिक्शा और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। आरोपी रिसीवर ओमप्रकाश पश्चिम विहार थाने का हिस्ट्रीशीटर है, जो पहले भी झपटमारी, चोट पहुंचाने, चोरी और आर्म्स एक्ट के मामलों में शामिल रहा है। उत्तरी जिले के डीसीपी राजा बांठिया ने बताया कि बुराड़ी थाने में 7, 10 और 16 मई को ई-रिक्शा चोरी की तीन बारदातों की शिकायतें दर्ज हुई थीं।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच के लिए तीन टीमें गठित कीं। सीसीटीवी कैमरों की जांच में पता चला कि आरोपी वारदात करने के लिए बाइक पर आते थे। सीसीटीवी कैमरों की मदद से उनके रूट का पता लगाया गया, जिसमें पता चला कि वे चोरी की ई-रिक्शा निहाल विहार में रिसीवर को सौंप देते थे। इसके बाद 12 जून की देर रात में मुखबिर ने सूचना दी कि चोरों ने स्वरूप नगर के कादीपुर में चोरी का ई-रिक्शा छिपा रखा है और वे उसे रिसीवर को सौंपने जा रहे हैं। सूचना पर टीम मौके पर पहुंची, जहां पुश्ता रोड पर दो संदिग्ध ई-रिक्शा खींचते नजर आए। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर वीरपाल और लवकुश को पकड़कर ई-रिक्शा जब्त कर लिया। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे चोरी का ई-रिक्शा ओमप्रकाश को बेचते थे। उनकी सूचना पर टीम ने उन्हें निहाल विहार से गिरफ्तार कर लिया। उनके किराए के मकान से थाना स्वरूप नगर से ई-रिक्शा चोरी किया गया, ई-रिक्शा खोलने के औजार, ग्राइंडर बरामद किए गए। पुलिस रिमांड के दौरान उनकी सूचना पर चोरी के 14 और ई-रिक्शा बरामद किए गए। ओमप्रकाश उन्हें तीन सौ रुपये प्रतिदिन के हिसाब से किराए पर देता था पूछताछ में पता चला कि वीरपाल और लवकुश पूरी दिल्ली से ई-रिक्शा चोरी करते थे। वे सुबह-सुबह आकर ई-रिक्शा चुराते थे और फिर ओम प्रकाश को बेच देते थे। रिसीवर चोरी की गई ई-रिक्शा की नंबर प्लेट और चेसिस नंबर हटाकर उसे तीन सौ रुपये प्रतिदिन के हिसाब से किराए पर दे देता था। फिलहाल इस पूरे मामले में पुलिस की जांच लगातार जारी है।

एफ-35बी लड़ाकू विमान की इमरजेंसी लैंडिंग से वाकिफ थी भारतीय वायुसेना

नई दिल्ली। ब्रिटिश एफ-35बी लड़ाकू विमान ने तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर आपात लैंडिंग की थी। इस एफ-35बी लड़ाकू विमान के डायवर्जन (विमान मार्ग बदलने) को लेकर भारतीय वायुसेना ने स्पष्ट किया है कि यह एक सामान्य घटना है और उड़ान सुरक्षा संबंधी कारणों से ऐसा किया गया था। वायुसेना के प्रवक्ता ने बताया कि भारतीय वायुसेना पूरी तरह से इस स्थिति से अवगत थी और फ्लाइट सेफ्टी के मद्देनजर विमान को सभी आवश्यक सहायता प्रदान की गई।

भारतीय किसान मजदूर संयुक्त मोर्चा के प्रदेश कार्यालय मीनाक्षी चौक पर संयुक्त प्रेस वार्ता में भोपाल सिंह चौधरी ने रखी केंद्र सरकार से मांग

दिव्य दिल्ली : दिल्ली में आयोजित केंद्रीय कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (उअउढ) की उच्च स्तरीय बैठक में भाग लेकर लौटे किसान मंच के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भोपाल सिंह चौधरी ने रविवार को भारतीय किसान मजदूर संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी शाह आलम के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता की। यह संवाददाता सम्मेलन मुजफ्फरनगर में आयोजित किया गया, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से किसान नेताओं की भागीदारी रही।उन्होंने बैठक में यह भी मांग रखी कि पलायन रोकने के लिए केंद्र सरकार विशेष बजट जारी करे जिससे पहाड़ों में खेती को सुरक्षित किया जा सके। उन्होंने कहा कि अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो पहाड़ पूरी तरह से खाली हो जाएंगे और पारंपरिक खेती

समाप्त हो जाएगी।भोपाल सिंह चौधरी ने बताया कि उन्होंने आयोग के समक्ष ई-कृषक कार्ड की मांग भी रखी, जिसे ई-श्रम कार्ड की तरह प्रत्येक किसान को जारी किया जाए और इसी के माध्यम से नापतौल, फसल खरीद, बीमा और सरकारी योजनाओं को जोड़ा जाए। साथ ही उन्होंने फसल बीमा को पूरी तरह निशुल्क किए जाने, तारबाड़ के लिए अतिरिक्त बजट देने तथा बद्री गाय की नस्ल को संरक्षित कर उसके दूध को औषधीय उपयोग में लाने की वकालत की।

प्रेस वार्ता में किसान मंच के प्रदेश मीडिया प्रभारी गब्बर सिंह भंडारी, प्रदेश प्रभारी पीयूष जोशी, अभिषेक उनियाल, भारतीय किसान मजदूर संयुक्त मोर्चा के जिलाध्यक्ष शाहिद राजा, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष इंतजार, पश्चिम प्रदेश अध्यक्ष चौधरी अतुल, प्रचार मंत्री काजी मुस्तकीम साहब भी उपस्थित रहे।चौधरी शाह आलम ने कहा कि देश के किसानों की समस्याएं केवल फसल के दाम या समर्थन मूल्य तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सुरक्षा, बीमा, और जमीनी क्रियान्वयन में भी सरकार की जिम्मेदारी बनती है।अगर खेती बचानी है तो किसान की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। पहाड़, मैदान, मैदानी सीमाएं नहीं, अब सभी किसानों की समस्याएं साझा हैं, और समाधान भी साझा प्रयासों से ही निकलेगा।" प्रेस वार्ता में चौधरी ने यह बात दोहराई।

पीएम मोदी ने सीएम धामी से की बात, हर संभव सहयोग का दिया भरोसा

नई दिल्ली। तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में साइप्रस पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से केदारनाथ हेलीकॉप्टर हादसे को लेकर फोन पर बात की और घटना के संबंध में पूरी जानकारी ली।

प्रधानमंत्री मोदी ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति शोक व्यक्त किया। साथ ही मृतकों के परिजनों को इस दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा भी दिया। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने प्रधानमंत्री को

अवगत कराया कि घटना के बाद तत्काल उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई है। दुर्घटना के कारणों की गहन जांच के लिए उच्च स्तरीय जांच समिति गठित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही बेहतर समन्वय और त्वरित कार्रवाई के लिए कमांड एंड को-ऑर्डिनेशन सेंटर की स्थापना की जाएगी।

रविवार को उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग के गौरीकुंड क्षेत्र में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में सभी 7 लोगों की मौत हो गई। हेलीकॉप्टर ने सुबह 5:17 बजे गुप्तकाशी के लिए उड़ान भरी थी और केदारनाथ से यात्रियों को लेकर लौट रहा था। इससे पहले सीएम पुष्कर सिंह धामी ने केदारनाथ हादसे को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वर्चुअल उच्च स्तरीय बैठक की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "शासकीय आवास पर बैठक के दौरान अधिकारियों को सोमवार तक चारधाम के लिए हेली सेवा पूर्ण रूप से बंद रखने व पायलटों के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में उड़ान अनुभवों की जांच समेत सभी हेली ऑपरेटरों के साथ बैठक के बाद ही पुनः हेली सेवा को सुचारु करने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश में हेली सेवाओं के संचालन के लिए सख्त एसओपी तैयार करें और हेली उड़ानों के बेहतर समन्वय व सुरक्षित संचालन के लिए देहरादून में कॉमन कमांड एवं को-ऑर्डिनेशन सेंटर स्थापित हो।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397